डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -86 | प्रयागराज, गुरुवार 08 जून,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

खेलः'भारतीय टीम के अधिक क्रिकेट खेलने के कारण...

सिनेमाः अपने अभिनय से बॉलीवुड में...

संक्षिप्त समाचार

12 जून को चुनाव अभियान का शंखनाद करेंगी प्रियंका, पांच गारंटी का करेंगी ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अपनी तैयारियों में जुट गई है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी 12 जून को जबलपुर दौरे पर जाएंगी। इस दौरान वह पार्टी के लिए चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगी। साथ ही साथ प्रियंका गांधी पार्टी की पांच गारंटी का भी ऐलान कर सकती हैं। फिलहाल मध्यप्रदेश में प्रियंका के दौरे को लेकर राजनीति गर्म होती दिखाई दे रही है। वहीं, कांग्रेस प्रियंका के दौरे को लेकर तैयारियों में जुटी हुई है। प्रियंका गांधी अपने इस दौरे के दौरान कांग्रेस की पांच गारंटी का ऐलान कर सकती हैं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की ओर से पांच गारंटी देने की बाद की जा रही है। कर्नाटक चुनाव में भी पांच गारंटी के दम पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। कर्नाटक चुनाव में मिली इस जीत के बाद कांग्रेस आगामी चुनाव में भी 5 गारंटी को जारी करने के बात कह रही है।

हॉस्टल के कमरे से छात्रा का शव बरामद, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका, गार्ड की भी मिली लाश

पॉश मरीन ड्राइव इलाके में सरकार द्वारा संचालित एक छात्रावास के कमरे में 19 वर्षीय एक कॉलेज छात्रा का शव मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने बलात्कार और हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि ओम प्रकाश कनौजिया के रूप में पहचाने जाने वाला 30 वर्षीय संदिग्ध छात्रावास परिसर से फरार हो गया था और बाद में मृत पाया गया था। संदिग्ध दक्षिण मुंबई में पुलिस जिमखाना के पास स्थित सावित्री फुले महिला छात्रावास में 15 साल से गार्ड के रूप में काम कर रहा था। मामले के संबंध में प्राथमिकी मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में दर्ज की गई थी। आशंका जताई जा रही है कि मृतक कॉलेज छात्रा के साथ दुष्कर्म किया गया है। हालांकि, एक अधिकारी ने कहा कि स्पष्ट तस्वीर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मिल सकेगी। 19 वर्षीय जो महाराष्ट्र के विदर्भ का रहने वाली थी, कुछ समय से लापता थी और पुलिस को तदनुसार सूचित किया गया था।

सरकार ने फिर की पहलवानों से बातचीत करने की पेशकश

साक्षी मलिक बोलीं- बृजभूषण को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, प्रस्ताव पर करेंगे विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा बुधवार को पहलवानों को फिर से बातचीत के लिए आमंत्रित करने के कुछ घंटे बाद पहलवानों ने कहा कि वे अपना विरोध खत्म नहीं कर रहे हैं और इंतजार कर रहे हैं कि सरकार उन्हें क्या पेशकश करती है।

पहलवान साक्षी मलिक ने कहा 'हम अपना विरोध खत्म नहीं कर रहे हैं। हम देखेंगे कि सरकार हमें क्या प्रस्ताव देती है। हमारी मुख्य मांग है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। दिग्गज पहलवान ने कहा, 'अगर हमें यह पसंद आया तो हम खाप पंचायत नेताओं के साथ सरकार द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे। हम किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेंगे और इस पर विचार करेंगे।' केंद्रीय खेल मंत्री

अनुराग ठाकुर ने बुधवार को गृह मंत्री के साथ बैठक बेनतीजा रहने के बाद पहलवानों को फिर से बातचीत के लिए आमंत्रित किया। अनुराग ठाकुर ने ट्विटर पर प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए बुलाया और कहा कि केंद्र 'एक बार फिर मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार है। उन्होंने कहा, 'सरकार पहलवानों के साथ उनके मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार है। मैंने एक बार फिर पहलवानों को इसके लिए आमंत्रित किया है।' गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के कुछ दिन बाद सरकार ने भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को उनके मुद्दों पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा, " मैंने बातचीत के लिए पहलवानों को एक बार फिर आमंत्रित किया है।" पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। सिंह पर कई महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं सांसद सिंह ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। दिल्ली पुलिस ने यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के सिलसिले में सिंह के सहयोगियों और उत्तर प्रदेश के गोंडा में उनके आवास पर काम करने वाले लोगों के मंगलवार को बयान दर्ज किए थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जेपी नड्डा की बैठक, बोले- हम सभी चुनावों के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा 2024 चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद मैदान में उतर चुके हैं। वह लगातार लोगों से मिल रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नोएडा में 'टिफिन मीटिंग' की। टिफिन मीटिंग' में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज मैंने पार्टी कार्यकर्ताओं से बात की कि पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए और सरकार की योजनाओं के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए वे कैसे काम कर रहे हैं, इसकी भी समीक्षा की। हम 2024 के चुनाव सहित सभी चुनावों के लिए तैयार हैं। टिफिन मीटिंग' 2024 के आम चुनाव से पहले बीजेपी के मेगा पब्लिक आउटरीच प्रोग्राम का हिस्सा है। इस दौरान भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख भूपेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष पंकज सिंह, गौतम बौद्ध नगर के सांसद महेश शर्मा और राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर सहित अन्य लोग नड्डा के साथ रहे। 'टिफिन बैठक' भाजपा की 2024 के आम चुनाव से पूर्व जनता तक पहुंच कायम करने के बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले भाजपा के शीर्ष नेताओं की एक बैठक हुई थी। यह बैठक 10 घंटे से भी ज्यादा समय तक चली थी। इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष मौजूद रहे। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक भाजपा की बैठक लगभग 10 घंटे तक चली। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठित मुद्दों पर चर्चा हुई है। साथ ही साथ अगले लोकसभा चुनाव के लिए किस तरीके से अभी से ही तैयारी शुरू की जाए, इसको लेकर कि नेताओं के बीच चर्चा हुई है। सूत्रों का दावा है कि इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं जिसमें कई प्रदेश अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। साथ ही साथ कई प्रदेश के प्रभारियों को भी बदला जा सकता है। कई नेताओं को संगठन की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है।

पीएम किसान योजनाः यहां के किसानों को साल में मिल रहे 10 हजार रुपये,आप भी उठा सकते हैं फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसानों को समृद्ध और सक्षम बनाने के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं योजनाओं में

से एक है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना। इस योजना के जरिए सरकार की ओर से हर साल किसानों को 6000 रुपये दिए जाते हैं। यह 6000 रुपये किसानों को तीन किस्त में मिलते हैं। एक किस्त में उनके पास 2000 रुपये पहुंचते हैं। अब तक किसानों को 13 किस्ते मिल चुकी हैं। किसान को अब 14वें किस्त का इंतजार हैं। लेकिन मध्य प्रदेश के किसानों के लिए एक अच्छी खबर है।

मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सरकार किसानों को एक और सौगात दे रही है। दरअसल, मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार से 6000 के जगह किसानों को 10000 रुपये देने जा रही है। इसे किसान कल्याण योजना का नाम दिया गया है। इस योजना के तहत राज्य सरकार हर साल किसानों को 10000 रुपये की यानी कि 6000 रुपये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के और बाकी के 4000 रुपये किसान कल्याण योजना की मिलेंगे। इसके जरिए किसानों को कुल साल में 10000 रुपये प्राप्त होंगे जो कि 5 किस्त में मिलेंगे। शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने 22 सितंबर 2022 को इस योजना की शुरुआत की थी। किसानों के खेती में नुकसान को देखते हुए सरकार की ओर से एक कदम उठाए गए थे। साथ ही साथ आगामी चुनाव में भाजपा सरकार को किसानों को साधने में इससे मदद मिल सकती है।

इस योजना का फायदा केवल मध्य प्रदेश के किसानों को ही मिलने जा रहा है। अगर आप इस योजना का फायदा उठाना चाहते हैं तो आपको मध्य प्रदेश का निवासी होना पड़ेगा। साथ ही साथ इस योजना का लाभ वही किसान उठा सकते हैं जो पीएम किसान योजना के लिए पहले से ही रजिस्टर है। सबसे गौर करने वाली बात तो यह है कि अगर किसी कारण से किसान सम्मान योजना का पैसा आपके खाते पर नहीं जा रहा है तो इस योजना का पैसा भी आपके खाते पर नहीं जाएगा।

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच शुरू होना राहत की बात : शरद पवार

औरंगाबाद। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच शुरू होना राहत की बात है। बृजभूषण पर कई महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। पवार ने पत्रकारों से कहा कि प्रदर्शन कर रहे पहलवान बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं, जबकि सरकार का कहना है कि पहले जांच की जाएगी, फिर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, "जांच शुरू होना राहत की बात है।" पहलवान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं सांसद बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, बृजभूषण ने अपने ऊपर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से इनकार किया है। सरकार ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के कुछ दिन बाद उन्हें (पहलवानों को) उनके मुद्दों पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया है।

मणिपुर के कुकी समुदाय के सदस्यों ने अमित शाह के आवास के बाहर प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली। मणिपुर में काफी लंबे समय से हिंसा का मंजर देखने को मिला है। हिंसा में सेकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों का पहरा है ताकि फिर से कोई अप्रिय घटना न हो सके। मणिपुर के कुकी समुदाय के सदस्यों ने पूर्वोत्तर के राज्य में जारी हिंसा के विरोध में बुधवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां थामे रखी थीं, जिन पर लिखा था कि "कुकी समुदाय के लोगों के जीवन की रक्षा करें।" प्रदर्शनकारियों ने नारे भी लगाए।

पुलिस के मुताबिक, गृह मंत्री के साथ बैठक के लिए चार प्रदर्शनकारियों को उनके आवास के अंदर जाने की अनुमति दी गई, जबकि बाकी को जंतर मंतर भेज दिया गया। मणिपुर में एक महीने पहले भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 98 लोगों की जान जा चुकी है और 310 से अधिक लोग घायल हुए हैं। राज्य में फिलहाल कुल 37,450 लोगों ने 272 राहत शिविरों में शरण ले रखी है। मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी)

का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में मणिपुर के पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद तीन मई को राज्य में पहली बार जातीय हिंसा हुई थी। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में 3 मई 2023 को मेइतेई लोगों के बीच एक जातीय संघर्ष छिड़ गया, जो इंफाल घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक और कुकी और ज़ो लोगों सहित आसपास की पहाड़ियों के आदिवासी समुदाय हैं। हिंसा में 70 से अधिक लोग मारे गए, और सैकड़ों घायल हो गए। विवाद का संबंध भारतीय संविधान के तहत अनुसूचित जनजाति के दर्जे के लिए मेइती लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग से है, जो उन्हें आदिवासी समुदायों के बराबर विशेषाधिकार प्रदान करेगा। अप्रैल में मणिपुर उच्च न्यायालय के एक फैसले ने राज्य सरकार को इस मुद्दे पर चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। आदिवासी समुदायों ने मैतेई की मांग का विरोध किया। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन ऑफ मणिपुर (एटीएसयूएम) ने 3 मई को सभी पहाड़ी जिलों में एकजुटता मार्च निकाला। मार्च के अंत तक, इम्फाल घाटी की सीमा से सटे चुराचांदपुर जिले में और उसके आसपास मेइती और कुकी आबादी के बीच संघर्ष शुरू हो गया।

मनीष सिसोदिया को याद कर भावुक हुए केजरीवाल, कहा-भाजपा ने उन्हें फ़र्ज़ी मुक़दमे करके जेल में डाला है

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक शैक्षणिक संस्थान के उद्घाटन के मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और शिक्षा के क्षेत्र में उनके काम को याद करते हुए भावुक हो गए। मुख्यमंत्री बाहरी दिल्ली के बवाना के दरियापुर गांव में स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने उन्हें झूठे मामले दर्ज कर जेल में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर मनीष जी ने अच्छे स्कूल नहीं बनाए होते, तो वे उन्हें जेल में नहीं डालते। वे शिक्षा क्रांति को खत्म करना चाहते हैं, लेकिन हम शिक्षा क्रांति को खत्म नहीं होने देंगे।

भाजपा पर हमला करते हुए केजरीवाल ने कहा कि ये लोग चाहते है कि दिल्ली की शिक्षा क्रांति खत्म हो जाए लेकिन हम इसे होने नहीं देंगे। इस दौरान उनके समर्थकों ने केजरीवाल जिंदाबाद के नारे लगाए। केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया ने दिल्ली में शिक्षा क्रांति

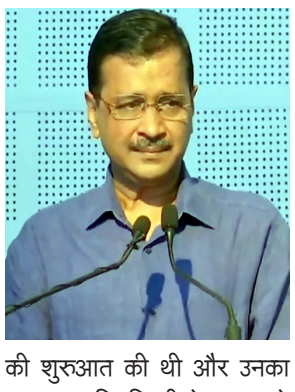

की शुरुआत की थी और उनका सपना था कि दिल्ली के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले। लेकिन उसे झूठे आरोप लगाकर फर्जी मुकदमे करके जेल में डाल दिया। इतने अच्छे आदमी को इतने महीनों से जेल में डाला हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में इतने बड़े-बड़े डाकू घूम रहे हैं। उनको यह नहीं पकड़ते। सिसोदिया को जेल में डाल दिया। मनीष सिसोदिया को इसलिए जेल में डाला गया क्योंकि वह अच्छे-अच्छे स्कूल बना रहा था, बच्चों की पढ़ाई को अच्छा कर रहा था।

जब बवाना आता था, लोग कहते थे कि उसे एम्ददत ठीक करा दो। मैं वादा करके गया था। वादा दोगुना पूरा हुआ। अब स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस खुल गया है जिसमे बड़े-बड़े निजी स्कूल से नाम कटाकर बच्चे आते हैं। लड़कियों के स्कूल की भी नई इमारत तैयार हो रही है। उन्होंने कहा कि मैं आईआईटी खड़गपुर में पढ़ा था, मेरी ट्यूशन शुल्क 32 रुपये थी। देश ने मुझे अभियंता बनाने के लिए खर्च किया। आज मेरा फ़र्ज़ है और मैंने ठाना है कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा दूँ। मैं हिसार के सबसे अच्छे स्कूल में पढ़ा। ये बवाना का सरकारी स्कूल उस स्कूल से भी बहुत अच्छा है।

सरकार ने प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को फिर बातचीत के लिए बुलायाः अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के कुछ दिन बाद सरकार ने भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को उनके मुद्दों पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार आधी रात के बाद ट्वीट किया सरकार, " पहलवानों के साथ उनके मुद्दों पर चर्चा करने की इच्छुक है।" उन्होंने कहा, " मैंने बातचीत के लिए पहलवानों को एक बार फिर आमंत्रित किया है।" पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। सिंह पर कई महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं सांसद सिंह ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है।

किसानों का शाहबाद में प्रदर्शनःबीकेयू प्रमुख चढूनी तथा आठ अन्य गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। सूरजमुखी के बीजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)पर सरकार द्वारा खरीदे जाने की मांग कर रहे किसानों की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध करने पर भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी सहित नौ नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार के यह जानकारी दी। उसने बताया कि भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज होने के बाद बीकेयू (चढूनी) के नौ नेताओं को हिरासत में लिया गया और इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार इन लोगों के खिलाफ दंगा करने, गैरकानूनी तरीके से एकत्रित होने तथा सरकारी अधिकारी को अपना कार्य करने से रोकने के लिए अपराधिक बल का इस्तेमाल करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

चढूनी के आह्वान पर किसानों ने मंगलवार को शाहबाद के पास दिल्ली-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग को करीब छह घंटे तक अवरुद्ध कर दिया था। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें छोड़ी और लाठीचार्ज किया। कुरुक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस एस भोरिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि बीकेयू के नौ नेताओं के अलावा 24 से

अधिक प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिया गया था लेकिन उन्हें कल रात छोड़ दिया गया। गिरफ्तार किए गए बीकेयू (चढूनी) के नौ नेताओं को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। इस बीच कुछ किसान शाहबाद-लाडवा रोड पर अनाज मंडी के पास एकत्रित हुए हैं और वे गिरफ्तार किसानों की रिहाई की मांग कर रहे हैं।

खबरें है कि बीकेयू नेता राकेश टिकैत किसानों के समर्थन में शाहबाद आ सकते हैं, जिसके बाद पुलिस ने एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी है। भोरिया ने कहा कि शाहबाद-लाडवा रोड पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को धरना समाप्त करने और स्थान खाली करने के लिए मनाने का प्रयास किया जा रहा है। शाहबाद से विधायक और राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता रामकरण काला ने कहा कि अगर राज्य सरकार सात जून से एमएसपी पर सूरजमुखी के बीज खरीदने में विफल रही तो वह हरियाणा चीनी महासंघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देंगे।

उन्होंने प्रदर्शन कर रहे किसानों पर पुलिस के लाठीचार्ज की आलोचना की और साथ ही कहा कि किसानों के लंबित मुद्दों को शीघ्र हल करने की मांग को लेकर वह तीन बार मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर चुके हैं। रामकरण काला ने कहा," लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले के हल के लिए समिति बनाई गई है।' बड़ी संख्या में किसानों ने मंगलवार दोपहर कुरुक्षेत्र के शाहबाद के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे भावांतर भरपाई योजना में सूरजमुखी के बीज को शामिल करने के सरकार के कदम के खिलाफ हैं। इसके तहत सरकार एमएसपी से नीचे बेची गई उपज के लिए 1,000 रुपये प्रति क्विंटल का निश्चित मुआवजा देगी। प्रदर्शनकारी किसानों ने दावा किया कि सरकार एमएसपी पर सूरजमुखी बीज नहीं खरीद रही है, और इसके चलते उन्हें अपनी उपज निजी खरीदारों को 6,400 रुपये एमएसपी के मुकाबले लगभग 4,000 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

एचके मिस्टर एण्ड मिसेज इंडिया इंटरनेशनल'2023 सीजन-5 का पहला ऑडिशन कोलकाता में हुआ संपन्न

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। कोलकाता और कई दूसरे राज्यों से भी प्रतिभागी हुए शामिल। पिंक रोजेस

एंटरटेनमेंट मिस्टर एण्ड मिसेज इंडिया इंटरनेशनल'2023 सीजन 5 का आज द स्ट्रीट कैफे, कोलकाता में ऑडिशन हुआ जिसमे बच्चे नौजवान युवक युवती शामिल रहे और इसमें पश्चिम बंगाल के अलावा भी कई राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया..

हर उम्र के प्रतिभागी शामिल रहें और अपने कला का प्रदर्शन किया। ऑर्गनाइजर और डायरेक्टर हिना कौसर के अलावा जूरी के रूप में रिक्टा हल्दर (फैशन मॉडल, योगा ट्रेनर), जावेद अख्तर (अपटाउन लाउंज ऑनर), समरजनी मंडल (फैशन मॉडल), प्रिंस तारिक (फैशन मॉडल), राज रश्मि शाह (ड्रेस डिजाइन, फैशन मॉडल), रिशु बरनवाल (फैशन मॉडल) शामिल रहे..।डायरेक्टर एंड ऑर्गेनाइजर मिसेज एशिया विनर, मॉडल, एक्ट्रेस हिना कौसर का कहना की इस ऑडिशन से हमे बहुत टैलेंट और हुनर मिला है और उम्मीद करती हूं के अगले ऑडिशन में भी और हुनर देखने को मिलेंगे, पिंक रोजेस एंटरटेनमेंट को तलाश है हुनर की हर राज्य और हर छोटे बड़े शहर और गांव से। हमारा मकसद है छुपे हुनर को एक मंच देना, उन्हे एक पहचान देना, और भविष्य में उनके सपने साकार करना में मदद करना, उन्हे एक सही मंच देना..।

जैसा कि हम जानते हैं पिंक रोजेस एंटरटेनमेंट के हर कॉन्टेस्ट में बॉलीवुड सितारे को देखने का मौका मिलता है जैसे पिछले कई सीजन में बॉलीवुड एक्टर राहुल रॉय, रजा मुराद, सारा खान, वरुण सूरी, वरुण जोशी, इत्यादि कई सितारे नजर आए.. अब देखना है इस सीजन 5 के धमाकेदार शुरुआत के साथ ग्रैंड फिनाले में प्रतिभागियों को किन किन एक्टर एक्ट्रेस से मिलने का मौका मिलता है..।

फूलपुर आर ओ बी पर बिगड़ी ट्रक लगा भीषण जाम

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। फूलपुर का गुणवत्ता विहीन आरओ बी जिसमें आए दिन लोड गाड़ियों के कुछ न कुछ पार्ट टूटते हैं या खराब होते हैं। तो पुल के दोनों तरफ जाम ही जाम दिखता है। बता दें कि मुख्य मार्ग एजी मार्ग जिस पर सड़क की पटरियों से लेकर बीच रोड तक दुकानदारों ने कब्जा कर रखा है। बाकी बीच जगह पर अवैध वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। तहसील गेट पर अधिवक्ताओं तथा वादकार्यो के वाहन एवं रजिस्ट्री कराने आए लोगों के वाहनों से हर समय जाम लगा रहता है। बता दे कि रेलवे ओवरब्रिज सिंगल लेन का बनाना ही दुर्भाग्यपूर्ण था। दूसरे डिवाइडरो की ठोकर इतनी खतरनाक है कि उस पर लोड गाड़ियों की ठोकरें कुछ ना कुछ तोड़ देती है। नित्य

ट्रकों के खराब होने का क्रम जारी है। इस पर ना तो अधिकारी ना ही फूलपुर के विधायक सांसद ध्यान दे रहे हैं। फूलपुर में बाबूपुर बानगी बाजार से बाईपास छोटे वाहन पास हो जाते थे। परंतु वह दोनों इमरजेंसी रास्ते अवरुद्ध है। बुधवार को पुल पर ट्रक बिगड़ने से दिनभर जाम लगा रहा। प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह मय फोर्स दिन भर जाम हटवाने में नजर आए। फूलपुर के इस विकराल समस्या पर लोगों ने नए नगर अध्यक्ष का ध्यान केंद्रित किया है।

नवें दिन भी तहसील में वकीलों का प्रदर्शन जारी रहा

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। तहसील कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार घूसखोरी अधिकारियों के मुनिबाबा बने रहने की आम समस्याओं पर अधिवक्ताओं की एक गुट एसडीएम कोर्ट के समक्ष एसडीएम से लेकर दफ्तरों में बैठे कर्मचारियों तथा घूसखोरो के खिलाफ जमकर नारेबाजी तथा विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि कई दिन बीत गए ना समस्या पर ध्यान दिया जा रहा है ना ही कोई अधिकारी वार्तालाप हेतु उपलब्ध हो रहा है। आज भी शमीम अहमद सिद्दीकी,

चंद्रभान यादव, सौरभ यादव, धर्मराज यादव, अखिलेश यादव, जुगेश कुमार, मोहम्मद शारिक, विजय यादव, उमाकांत अवस्थी, राजेंद्र प्रसाद, श्याम बाबू यादव, मोहम्मद रिजवान आदि उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन को लेकर शिक्षक, कर्मचारियों ने निकाली रैली,आंदोलन लगातार हो रहा तेज़

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद पार्क मे 2 जून को चम्पारण बिहार से झ्ए निजीकरण भारत छोडो रथयात्रा लेकर आये अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधू एवं रथयात्रा मे शामिल सभी पदाधिकारियों का स्वागत 9बजे अंदावा से लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने माला फूल से स्वागत का सिलसिला शुरू किया तो शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क तक मोटर साईकिल एवं फोरव्हीलर से लोग कई जगह रोक स्वागत किया त 72 विभाग के हजारों कर्मचारी एवं शिक्षक चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल पर एकत्रित थे त

पुरानी पेंशन बहाल हो निजीकरण भारत छोडो के गगन भेदी नारों से पूरा पार्क गूंज रहा था तविजय कुमार बंधू ने शहीद आजाद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद सभी को सम्बोधित करते हुये कहा कि हमारे आप के वोट से पुरानी पेंशन पा रहे माननीयों को हमे आप को भी पुरानी पेंशन देना होगा अन्यथा हिमांचल प्रदेश एवं कर्नाटक की तरह अन्य प्रदेश एवं 2024 मे पुरे देश से भूतपूर्व हो जायेंगे त्बंधू गरजते हुये कहा कि भारत सरकार जितनी जल्दी हो पुरानी पेंशन देते हुये निजीकरण पर रोक लगाये त

बंधू जी को आशीर्वाद देने उनके किसान पिता एवं माता जी उपस्थिति रहे।

डॉ मान सिंह विधायक ने अपने समर्थकों के साथ विजय कुमार बंधू के आंदोलन को समर्थन दियात्रथयात्रा मे शामिल सभी यात्रियों एवं पेंशन पुरुष राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधू जी का 51 किलो की माला से अटेवा प्रयागराज के संयोजक जीतेन्द्र कुमार जीतू भाई के नेतृत्व मे प्रदेश संगठन मंत्री अशोक कुमार कनोजिया एवं आईटी सेल के प्रदेश प्रभारी दानिश इमरान, एवं श्रीमती नीलम सिंह महिला संयोजक, रविशंकर मिश्र कर्मचारी नेता मिडिया प्रभारी,अंजना सिंह महिला महामंत्री, आर के यादव महामंत्री, दीपा सिंह, श्रीमती आरती सिंह,नरेंद्र कुमार कोषाध्यक्ष अनुराग पाण्डेय, राम अचल पाल, राजेन्द्र बाबू केशरवानी, राम सिंह जनपद कौशाम्बी, संजीत कुमार यादव, सुरेश यादव, राजीव यादव,जीतेन्द्र शर्मा, रामचंद्र यादव सिंचाई विभाग, उपेंद्र वर्मा एकजुट,मुकेश कुमार, ज्ञानप्रकाश बेचारिक, माधुरी सिंह, किरन सिंह,सहित हजारों कर्मचारी शिक्षक व अन्य विभागों के लोग उपस्थिति रहे।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

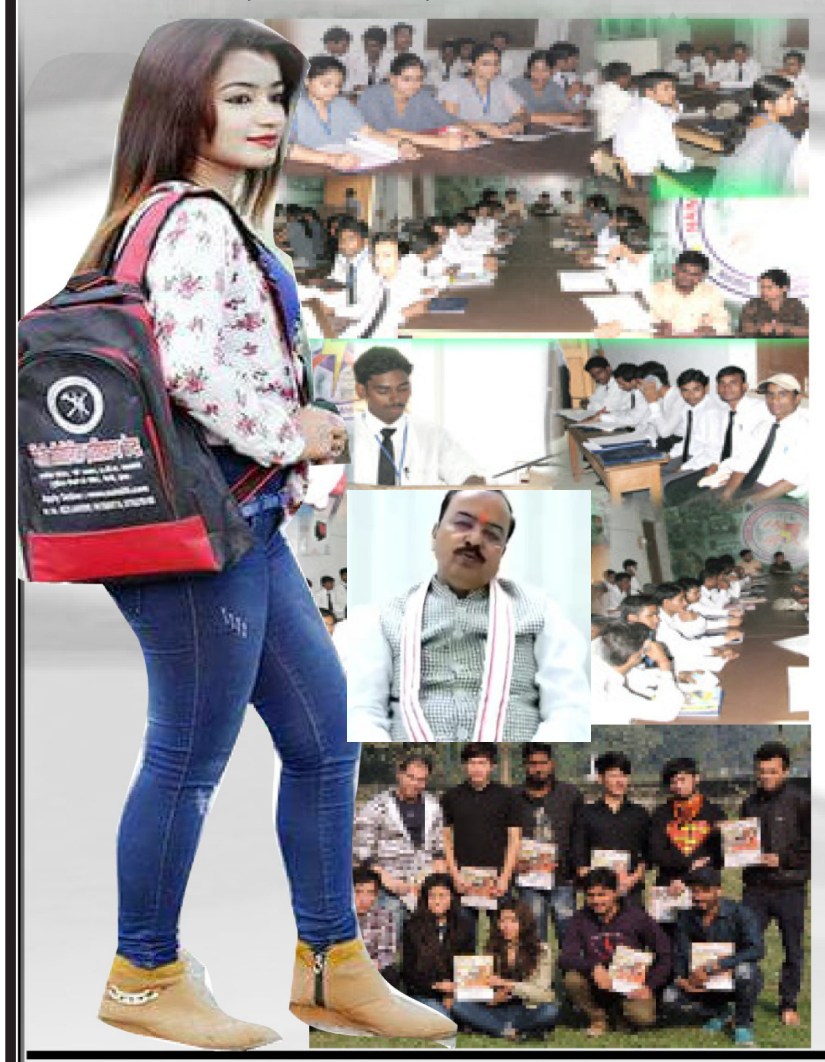

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873

एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर दो घायल

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र- स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के डाला बाड़ी पहला मोड़ पर देर रात रेनुकोट के तरफ से चोपन के तरफ जा रहा बाइक सवार अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसा जिसमें एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंगलवार की रात लगभग एक बजे डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के पहला मोड़ डाला बाड़ी पर रेनूकोट के तरफ से चोपन के तरफ जा रहा था उसी दौरान क्रेशर प्लांट क्षेत्र से ट्रक अचानक मोड़ पर बाइक के सामने आ गई जिसके कारण बाइक सवार अनियंत्रित होकर ट्रक में घुस गया और जिसमें की बाइक चालक आलोक कुमार गुप्ता पुत्र दयाशंकर गुप्ता निवासी हिंडाल्को कालोनी बाल बाल बच गया जिसको हल्का फुल्का चोट आई और दुसरा बाइक पर पिछे बैठा शुभम सिंह पुत्र गजेन्द्र सिंह निवासी हिंडाल्को कालोनी गंभीर रूप से घायल हो गया । घटना के बाद साथ रहें दुसरे बाइक सवार साथियों ने घायल को आनन फानन में अस्पताल भेजवाया जो कि वर्तमान समय पापूलर अस्पताल वाराणसी में इलाज चल रहा है। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची डाला पुलिस ने घायलों की बाइक एवं ट्रक को कब्जे में लेकर डाला चौकी परिसर में खड़ा करा दिया गया।

25000/- का ईनामिया गोतस्कर बदमाश मुठभेड़ में घायल

आधुनिक समाचार सेवा

मिर्जापुर। बुधवार को प्रातः करीब 04:00 बजे थाना राजगढ़ क्षेत्रांतर्गत राजगढ़ चुनार मार्ग पर सेमरी बंधा के पास जंगल में पशु तस्कर और पुलिस में मुठभेड़ हो गयी, इस मुठभेड़ में एक पशु तस्कर लल्लू उर्फ नवी हुसैन पुत्र मुन्नान अली निवासी ग्राम खोराडीह थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर जो थाना राजगढ़ का मजारिया हिस्ट्रिशीटर है जिसपर 25000/- का इनाम घोषित है, के बाएं पैर में गोली लगी है जिसे इलाज हेतु सीएचसी राजगढ़ में दाखिल किया गया है, जंगल से दो पशु तस्कर गनीराम उर्फ रामसागर पुत्र स्व0 ललई निवासी खोराडीह थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर पर 25000/- का इनाम घोषित है, व अंगद चौहान पुत्र स्व0 शंकर चौहान निवासी ग्राम रामपुर थाना चार्ट जिला भभुआ बिहार को गिरफ्तार किया गया है । कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर मय 02 खोखा कारतूश, 11000/- रूपया, 01 चाकू, 01 कुल्हाड़ी व 06 राशि गोवंश बरामद।

डाला चढ़ाई के सड़क पर मिले मोबाइल को युवक ने वापस लौटाया

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र। आज के दौर में जहां एक रुपए के लिए भी लोगों का ईमान डगमगा जाता है, वहीं एक युवक ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। डाला चढ़ाई के सडक पर मिले मोबाइल को युवक ने वापस लौटाया

ये है पूरा मामला बुधवार ग्यारह बजे के करीब भानू प्रसाद पुत्र बच्चे लाल निवासी सिंधी मध्य प्रदेश एक ट्रक चालक है जो डाला चढ़ाई पर स्थित मुख्खन होटल खाना खाकर चला गया उसी दौरान किसी कारण वश मोबाइल जेब से सडक पर गिर गया जिसके उपरांत मनोज कुमार गुप्ता पुत्र रामनाथ शाह निवासी डाला चढ़ाई की नजर पड़ी तो मोबाइक को उठा कर

अपने पास संभाल कर रख लिया और करीब एक से डेढ़ घंटे के बाद मोबाइल स्वामी का फोन आया तो मनोज कुमार गुप्ता ने अपने निवास स्थान पर बुलाया और मोबाइल पर लगें वाल पेपर देखकर पहचान करते हुए मोबाइल सौप दिया जिसके बाद मोबाइल स्वामी का चेहरा खिल उठा और आशीर्वाद देते हुए वह चला गया।

बांदा में तेज रफ्तार बाइक सवार दो लोगो की दर्दनाक मौत

आधुनिक समाचार सेवा

बांदा।तेज रफ्तार बाइक सवार दो लोग खड़े ट्रक में जा घुसे जिसके बाद 2 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है घटना के बाद स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन दोनो घायलों को बांदा जिला अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनका उपचार किया जा रहा है। बांदा जनपद के मटौंध थाना क्षेत्र के कस्बे से सामने आया है जहां पर आज महोबा जनपद के रहने वाली दो बाइक सवार बांदा आ रहे थे तो उसी दौरान तेज रफ्तार बाइक की गति अधिक होने की वजह से बाइक सवार ट्रक के नीचे जा घुसे जिसमें दोनों लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है घटना की जानकारी के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को पुलिस की मदद से बांदा जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने देखते ही दोनों को मृत घोषित कर दिया है।

निजी कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट में कार्य के दौरान घायल हुआ श्रमिक हुआ, हास्पिटल से गायब

आधुनिक समाचार सेवा

डाला/सोनभद्र - स्थानीय निजी कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट यूनिट डाला में सोमवार की देर शाम कंपनी में काम करते समय श्रमिक संतोष 45 वर्ष सीढ़ी से गिरकर गम्भी घायल हो गया । जिसे उपचार के लिए कंपनी के ही एंबुलेंस से उपचार के लिए रात्रि में ही जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया । इलाज के दौरान स्थिति को देखते हुए मरीज को वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। जिसकी सुचना के बाद पुरुष वार्ड के 9 नबर बेड पर पड़ा मरीज रेफर का पर्ची लिए वगैर ही लापता हो गया ।

बहुत समय तक हॉस्पिटल के स्टॉप भी इंतजार किये परन्तु शायं 5 बजे तक कोई पता नही चला। मरीज का हॉस्पिटल से सम्बंधित सभी कागजात हॉस्पिटल में ही मौजूद रहा। जिला चिकित्सालय से उनका रिफर वाराणसी होते ही मरीज कहां है उसके बारे में जिला अस्पताल को भी नहीं पता । समाचार लिखे जाने तक हास्पिटल में ना ही निजी कंपनी के जिम्मेदार दिखे । और ना ही मरीज । आखिर रेफर की बात सुनते कहां गायब हुए। चर्चा का विषय बना हुआ है।

गर्मी में रखें बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान डा. भारत भूषण

बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने दें, दस्त होने पर पिलाएं ओआरएस घोल

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा जनपद के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर बुधवार को सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा और एक कदम सुपोषण की ओर अभियान शुरू हुआ। अलग-अलग स्वास्थ्य केन्द्रों पर अलग-अलग जनप्रतिनिधियों ने पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस अवसर जन प्रतिनिधियों ने कहा - गर्मी के मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। बच्चे को दस्त होने की स्थिति में कोई लापरवाही न करें। कोशिश करें बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाये, इसके लिए ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) का घोल बच्चों को देते रहें। इसी के साथ वक्ताओं ने महिलाओं और बच्चों के सुपोषण का ध्यान रखने की बात कही। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) बिसरख पर सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा और एक कदम सुपोषण की ओर अभियान का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख श्याम इंद्र नागर, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भारत भूषण, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनजीत कुमार, सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. सचिन्द्र मिश्र ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उन्होंने गर्मी में बच्चों के स्वास्थ्य, विशेष रूप से दस्त की बीमारी पर ध्यान रखने को कहा। उन्होंने कहा बच्चे की तबीयत खराब हो तो उसे तुरंत स्वास्थ्य केन्द्र लेकर जाएं। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भारत भूषण ने कहा दस्त की रोकथाम के लिए ओआरएस और जिंक की गोली बहुत असरकारक होती है। बच्चे को जब भी दस्त हों, उसे ओआरएस घोल पिलाते रहे। इससे बच्चे के शरीर में पानी की कमी नहीं होती है। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनजीत कुमार, सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. सचिन्द्र मिश्र सहित सीएचसी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

सीएचसी दादरी पर सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा का शुभारंभ व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन बंसल व चिकित्सा अधीक्षक डा. संजीव सारस्वत ने किया। इस अवसर पर पवन बंसल ने कहा- दस्त एक छोटी सी बीमारी है, लेकिन लापरवाही बरती गयी तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने कहा बच्चों को गर्मी

से बचा कर रखें। दस्त होने की स्थिति में ओआरएस घोल पिलाएं। उन्होंने बच्चों को ओआरएस का घोल पिलाया और स्वयं भी पिया। डा. संजीव ने ओआरएस व जिंक टेबलेट की उपयोगिता बतायी। इस अवसर पर प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के जिला मंत्री डा. रविन्द्र कुमार, पूर्व पार्षद सुमित बसोया, कर्मचारी नेता कपिल चौधरी, बीपीएम प्रदीप तिवारी, बीसीपीएम सुनील कुमार, संध्या राय, तनु, पारुल, मनीष शहनवाज आदि उपस्थित रहे। पीएचसी दनकौर में पखवाड़े का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष राजवती ने किया।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. भारत भूषण ने बताया- डायरिया से बचाव एवं प्रबंधन को लेकर बुधवार से शुरू हुआ सघन दस्त पखवाड़ा 22 जून तक चलेगा। इस दौरान संबंधित क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए ओआरएस पैकेट का वितरण करेंगी। सघन दस्त पखवाड़ा मनाने का उद्देश्य बाल्यावस्था में दस्त के दौरान ओआरएस और जिंक के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

शास्त्री पुल की रेलिंग से लटकता मिला युवक का शव, हत्या या आत्महत्या पर जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज : शहर से वाराणसी की ओर जाने वाले शास्त्री पुल की रेलिंग से बुधवार को एक युवक का शव लटकता मिलने से हड़कम्प मच गया। लोगों को विश्वास नहीं हो रहा था कि कोई इस तरह से भी लटककर खुदकुशी कर सकता है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस युवक की शिनाख्त करवाने की कोशिश कर रही है। हालाँकि जिन हालातों में शव मिला है उससे हत्या और आत्महत्या को लेकर आशंकाएं जाहिर की जा रही हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।सुबह करीब 10 बजे किसी ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद दारागंज और झूंसी की पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक रस्सी के सहारे लटक रहा था और रस्सी रेलिंग से बंधी थी। उसकी उम्र

30 से 35 के बीच प्रतीत हो रही है। उसके शरीर पर गुलाबी रंग का फुल शर्ट और हरे रंग का जींस है। पैर में चमड़े काजूता भी पड़ा है। यह अजीबोगरीब घटना को देखकर हर कोई स्तब्ध था।

लोगों ने हत्या करने के बाद शव को पुल से लटकाने की भी आशंका जताई। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

प्रयागराज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा

प्रयागराज। महानगर के धुमनगंज में स्मैक एवं उससे जुड़े व्यवसाय करने वाले अपराधियों का मनोबल बढ़ चुका है पहली घटना प्रीतम नगर के अबूबकर पुर में फौजी के साथ हुई, दूसरी राजापुर में और आज तीसरी फिर से नेहरु पारक मोड़ सुलेम सराय पर युव व्यापारी समाजसेवी हिमांशु गुप्ता के ऊपर ईंट पत्थरो से जानलेवा हमला कर घायल कर सोने की चैन घड़ी अंगूठी और नगदी लूट ले गये, बताया जाता है कि सभी आरोपी ताड़बाग निवासी स्मैक के कारोबार से जुड़े बताए जा रहे हैं, घायल हिमांशु गुप्ता ने धूमनगंज थाने में तहरीर दी, नामजद रिपोर्ट दर्ज, परन्तु खबर लिके जाने तक कोई कार्यवाही नही हुई

संयुक्त टीम खनन क्षेत्र में पसरा रहा सन्नाटा

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र-: स्थानीय ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुंडी स्थित बारी खनन क्षेत्र में वन विभाग, हिंडाल्को व लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया, इस दौरान खनन क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहा दर्जनों की संख्या में गाड़ियों से होकर अधिकारी लंगड़ा मोड़ खनन क्षेत्र का निरीक्षण करते थे नियमानुसार खनन की लीज अवधि समाप्ति के बाद गहरे खादान को समतल कर उसपे पेड़ पौधे लगाने के अभिप्राय है। परन्तु खनन स्वामियों द्वारा खनन कर मौत के कुवे की तरह छोड़ दिया गया। यहां पूर्व में हुए गड्ढे को समतलीकरण करने के लिए व विभाग अपना नाक बचाने के लिए कई वर्षों से राखड़ डालने का प्रयास कर रही है । परन्तु अभी तक कोई निष्कर्ष नही निकल पाया और ना ही कोई अधिकारी जिम्मेदारी से जबाब ही दे रहें जानकारी के अनुसार खनन कर्ताओं को पहले से सूचना हो गयी थी और उन्होंने काम बंद कर रखा था इस बाबत जब मिडिया के लोगों द्वारा सवाल किया गया तो उनके सवालों से भी अधिकारी भागते नजर आए ।

कैलिफोर्निया में फैमिली संग फन-मस्ती की पांच जगहें

योसेमिट नेशनल पार्कः योसेमिट नेशनल पार्क नोर्दन कैलिफोर्निया में स्थित अमेरिका का बेहद खूबसूरत और लोकप्रिय नेशनल पार्क है। यहां के पहाड़, घाटी, नदियां, झरने और शानदार दृश्यों के लिए पर्यटक और आर्टिस्ट को दशकों से आकर्षित करते रहे हैं। यहां पर कई वॉटरफॉल हैं। अपर योसेमिट वाटरफॉल करीब 1430 फीटर की ऊंचाई से गिरती है। साथ ही यह तमाम विंटर स्पोटर्स के लिए भी फेमस है। यहां के स्मोअर्स और रिंक साइड फायर पिट (अग्निकुंड) आपको खास तौर पर अपनी ओर आकर्षित करेंगे। क्त्रॉस कंट्री स्कीइंग या ग्लेशियर प्वाइंट पर इोशूइंग के लिए भी योसेमिट एक शानदार जगह है। इसके साथ ही यहां आप घोड़े से खींची जाने वाली बेपहिया गाड़ी की सवारी का आनंद भी उठा सकते हैं। खासतौर पर यह जगह एडवेंचर और नेचर लवर्स के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां जाने के बाद शीर रॉक्स जान न भूलें। यह सबसे लोकप्रिय जगहों में से एक है। इसके अलावा कैथेड्रल स्पाइर, सेंटिनेल डोम, सेंटिनेल रॉक्स, हाफ डोम आदि देख सकते हैं। इगल पीक से घाटी के खूबसूरत दृश्यों का नजारा ले सकते हैं।

डिज्नीलैंड : यदि आप अपने बच्चों के चेहरे पर बड़ी-सी मुस्कान देखना चाहते हैं, तो निश्चित रूप से डिज्नीलैंड की सैर करनी चाहिए। ऐनाहैम में स्थित डिज्नीलैंड फैमिली डेस्टिनेशन के रूप में लोकप्रिय रहा है। इस पार्क में आपको तकरीबन हर तरह के राइड, गेम्स, शो और एंटरटेनमेंट के पूरे साधन उपलब्ध हैं। यहां के एंटरटेनमेंट शो को बच्चों और बड़ों के लिए डिजाइन किया गया है। यह सिर्फ पार्क ही नहीं है। यहां पर आप बच्चों के साथ डाउनटाउन डिज्नी डिस्ट्रिक्ट में शॉपिंग कर सकते हैं या फिर डिज्नी एडवेंचर पार्क की सैर कर सकते हैं। यहां फैमिली और बच्चों के साथ आने पर आर बिल्कुल भी निराश नहीं होंगे।

तेहो झील : उत्तरी कैलिफोर्निया स्थित यह ताजे पानी का सबसे बड़ा झील है। यह कैलिफोर्निया और नवाडा के बोर्डर के बीच में स्थित है। यह ऊंचे पहाड़ पर स्थित बेहद खूबसूरत जगह है। गर्मियों में यह बोटिग के मुफिद जगह है, जबकि सर्दियों में यहां पर बड़ी संख्या में लोग स्कीइंग के लिए आते हैं। यहां कुल छह प्रमुख रिजॉर्ट हैं, जिनमें अल्पाइन मीडोज, हैवेनली माउंटेन रिजॉर्ट, किर्कवुड माउंटेन रिजॉर्ट, नॉर्थस्टार कैलिफोर्निया, सिएरा-एट-तेहो और स्क्वा घाटी शामिल हैं। अगर फैमिली के साथ रोमांचक यात्रा का लुत्फ उठाना है, तो यह बेहतरीन जगह हो सकती है।

सिकोइया ऐंड किंग्स कैनियन नेशनल पार्क : यह विशाल रेडवुड के लिए जाना जाता है। यह नेशनल पार्क ऊंचे ग्रेनाइट के पहाड़ों, माउंटेन लेक, नदियां और घने जंगलों वाला क्षेत्र है। कैलिफोर्निया में सिएरा राष्ट्रीय वन के दक्षिण में, सिकोइया और किंग्स कैनियन राष्ट्रीय उद्यान भी प्राचीन खेल के मैदान हैं। इसके अलावा, यहां बड़े-बड़े पेड़ों, घुमावदार घाटियों और व्हाइट वाटर नदियों के बीच आप ड्राइविंग करके रिलैक्स कर सकते हैं। इस पार्क की सबसे बड़ी खासियह है विशालकाय रेडवुड के पेड़, जिसकी लंबाई करीब 250-300 फीट तक होती है और व्यास करीब 40 फीट तक होता है। यह जानकर आपको हैरानी हो सकती है कि इन पेड़ों का जीवनकाल 3500 साल तक होता है। इस पूरे पार्क में बड़े-बड़े रेडवुड के पेड़ देखे जा सकते हैं।

सी-वर्ल्ड : यह थीम पार्क क्लासिक फैमिली डेस्टिनेशन है। यहां बच्चों के साथ ओरका व डॉल्फिन शो के अलावा, करीब से मैरीन लाइफ को निहार सकते हैं। यहां का थ्रील राइड काफी लोकप्रिय है। यहां बच्चों के साथ मानटा, जर्नी ऑफ अटलांटिस, वाइल्ड आर्टिक राइड, स्काइटावर, एल्मो फ्लाइंग फिश जैसे राइड का हिस्सा बन सकते हैं। सेन डियागो स्थित यह सी-वर्ल्ड मिशन-बे वाटरफ्रंट पर स्थित है। सांता कैटलिना आइलैंड यह लॉस एंजेलिस को विलमिंगटॉन पोर्ट से करीब 26 माइल्स साउथवेस्ट में स्थित है। यह जगह वाटर स्पोटर्स के लिए बेहद लोकप्रिय है। यहां कैंपिंग, स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, डीप-सी फिशिंग, कायकिंग आदि का लुत्फ उठाया जा सकता है। इस आइलैंड का सबसे ऊंचा प्वाइंट माउंट ओरिजाबा है, जो करीब 2097 फीट ऊंचा है। कैसिनो प्वाइंट पर एवलोन अंडरवाटर ड्राइव पार्क है, जो अमेरिका का पहला नन-प्रॉफिट अंडरवाटर पार्क है। फ्लाइंग फिश यहां का मुख्य अट्रैक्शन है।

मुन्नार जाएं तो मस्ती की ये 6 जगह जरूर घूमें

यह उद्यान मुन्नार से 15 किलोमीटर दूर है। यह स्थान देवीकुलम तालुक में पड़ता है। उद्यान के दक्षिणी क्षेत्र में अनामुडी चोटी है। मूल रूप से इस पार्क का निर्माण नीलगिरी जंगली बकरों की रक्षा करने के

लिए किया गया था। 1975 में इसे अभयारण्य घोषित किया गया था। वनस्पति और जंतु के पर्यावरण जगत में इसके महत्व को देखते हुए 1978 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित कर दिया गया। 97 वर्ग किमी में फैला यह उद्यान प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। यहां दुर्लभ नीलगिरी बकरों को देखा जा सकता है। साथ ही यहां ट्रैकिंग की भी सुविधा उपलब्ध है। नेशनल पार्क के नजदीक अनामुडी पहाड़ी भी देखने लायक है। दक्षिण भारत की यह सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई करीब 2700 मीटर है। हालांकि इस चोटी पर जाने के लिए आपको वाइल्डलाइफ अर्थारिटी से परमीशन लेनी होगी। पहाड़ी के ऊपर जाकर आप हरे-भरे मुन्नार का खूबसूरत नजारा अपने कैमरे में कैद कर सकते हैं।मट्टुपेट्टी समुद्र तल से 1700 मी. ऊंचाई पर स्थित है। यहां पर बनी मट्टुपेट्टी झील और बांध पर पर्यटक पिकनिक मनाने आते हैं। यहां से चाय के बागानों का मनमोहक दृश्य नजर आता हैं। यहां पर पर्यटक बोटिंग का भी आनंद ले सकते हैं। मट्टुपेट्टी अपने उच्च विशिष्टीकृत डेयरी फार्म के लिए प्रसिद्ध है। मुन्नार के चित्रापुरम इलाके से तीन किमी दूर है पल्लईवसल। यह वही जगह है जो केरल के पहले हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए जाना जाता है। यह जगह काफी खूबसूरत है और टूरिस्टों का फेवरेट पिकनिक स्पॉट भी है। गहरी घाटी में स्थित यह झरना मुन्नार से 8 किलोमीटर दूर कोच्चि रोड पर स्थित है। अथुकड फॉल्य मुन्नार का एक प्रमुख पर्यटक स्थल है। मानसून के दिनों में (जुलाई-अगस्त) इसकी सुंदरता और भी बढ़ जाती है। इस झरने के अलावा भी इस रास्ते में दो और झरने भी हैं- चीयापरा फॉल्स और वलार फॉल्स। यह संग्रहालय टाटा टी द्वारा संचालित है। इस संग्रहालय में 1880 में मुन्नार में चाय उत्पादन की शुरुआत से जुड़ी निशानियां रखी गई हैं। यहाँ कई ऐतिहासिक तस्वीरें भी लगी हुई हैं। इसके पास ही स्थित टी प्रोसेसिंग ईकाई में चाय बनने की पूरी प्रक्रिया को करीब से देखा व समझा जा सकता है।

नैनीताल: पर्वतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है

हर पहर एक नया श्रृंगार करता है यह शहर। बॉलीवुड के कई यादगार गीतों की शूटिंग हुई है यहां। वर्ष 1964 की ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म 'शगुन' का गीत 'पर्वतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा हो' या 1971 में आई फिल्म 'कटी पतंग' का गाना 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा..' इनकी शूटिंग यहीं हुई थी। यहां कई फिल्मों की शूटिंग हुई, जैसे-'मधुमति', 'हुकूमत', 'मासूम, 'अनीता' आदि। फिल्में और भी हैं, अतीत की यादें और भी हैं, पर हर शहर की तरह यह शहर भी यथार्थ में जीता है और यादें इसके साथ चलती रहती हैं। **नगनीताल बना नैनीताल :** प्रो. जीएल साह के मुताबिक तो कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर ट्रेल 1820 में नैनीताल आए थे। 1823 में इंग्लैंड सरकार को भेजी रिपोर्ट में उन्होंने इस स्थान का नाम 'नगनीताल' लिखा। इसके बाद 18 नवंबर, 1841 को कमिश्नर पी बैरन दोस्तों के साथ आए और उसी साल बैरन ने शहर की लीज के लिए आवेदन किया। 1842 में बैरन जब दोबारा आए, तब सूखाताल झील में बर्फ जमी हुई थी। बैरन को शहर की खूबसूरती भा गई। कई कोशिशों के बाद पी बैरन ने झील अपने नाम करा ली और 1845 से कमिश्नर ट्रेल के नगनीताल यानी आज के नैनीताल में बसावट शुरू हुई। गवर्नर के पास म्यूनिसिपल कमेटी के लिए आवेदन पत्र भेजा गया। तब साह परिवार यहां के निवासी थे और इसी दौर में शहर के मोतीराम साह ने मल्लीताल बाजार (आज का समृद्ध और सबसे भीड़भाड़ वाला इलाका) की शुरुआत की।

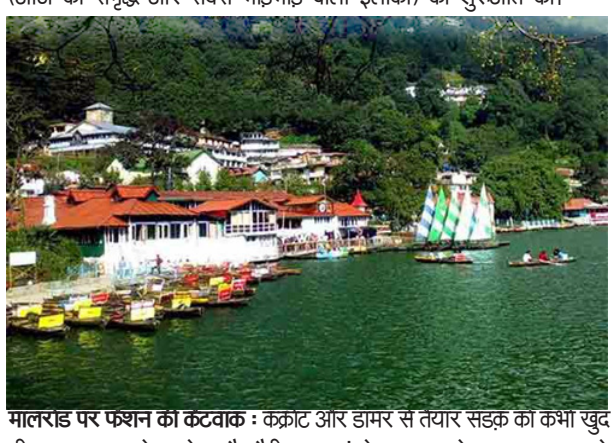

मालरोड पर फैशन की कैटवाक : कंक्रीट और डामर से तैयार सड़क को कभी खुद की शान पर इतराते हुए देखा है। नैनीताल आएं तो इस बात को महसूस कर सकते हैं। नैनीताल के दो छोर हैं-तल्लीताल और मल्लीताल। इनके बीच की दूरी है महज दो किलोमीटर। इस दूरी को नापने के लिए मालरोड बनाया गया। यह ठीक झील के बगल से गुजरती सर्पीले आकार की सड़क है, जिसके दो भाग हैं। एक को नाम मिला अपर मालरोड और दूसरे को लोअर मालरोड। नैनीताल के जानकार गंगा प्रसाद साह बताते हैं, '1845-46 में अपर और लोअर मालरोड बनने के बाद इनका रुतबा तय किया गया। लोअर को उन मजदूरों के चलने के लिए छोड़ा गया, जो पीठ पर बोझ को लादकर अंग्रेजों का सामान ढोते थे और अपर मालरोड अंग्रेजों की शान के लिए बनी। इस रोड पर घोड़ों पर सवार ब्रिटिशर्स हाथ में चाबुक लेकर निकलते थे। किसी को रोड पर चलने की इजाजत नहीं थी। रुतबा तब का था, जो आज भी कायम है। हां, अब नजाकत थोड़ी बदल गई है। अब लोअर मालरोड के हिस्से गाड़ियों का दबाव है तो अपर मालरोड पर चलता है देश-दुनिया के फैशन का कैटवॉक। पर्यटन के इस मौसम में अपर मालरोड की भीड़ और फैशन का संसार खुद-ब-खुद इस बात की तस्दीक करता। **छोलिया नृत्य से होगा खैरमकदम :** अतीत गवाह रहा है, धार्मिक या सांस्कृतिक उत्सवों को संजोने की जो परंपरा नैनीताल में जन्मी, उसका निर्वहन किया यहां बसे लोगों ने। इतिहासकार डॉ. अजय रावत बताते हैं,'शहर में अधिकतर लोग अल्मोड़ा से आकर बसे हैं। इसलिए वहां की कुमाऊंनी बोली तथा रहन-सहन आम जनजीवन का हिस्सा बन गया है।' कुमाऊंनी होली, नंदा देवी महोत्सव के अलावा तमाम उत्सवों के माध्यम से कुमाऊं की लोक संस्कृति, लोककला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में नैनीताल का बड़ा योगदान है। 'नंदा देवी महोत्सव' के अलावा 'फागोत्सव', 'रामलीला मंचन', 'दुर्गा महोत्सव' भी यहां की पहचान हैं। यही नहीं, जब नैनीताल में पर्यटन सीजन की शुरुआत हो तो फिर यहां का मशहूर छोलिया नृत्य पर्यटकों का खैरमकदम करता है। **एक मैदान :** आधे हिस्से में गाड़ियां, आधे में बारोमास खेल! खेल के लिए सिर्फ एक मैदान। उसी में पार्किंग और उसी में क्त्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल। 'फ्लैटस' के नाम से मल्लीताल में बना यह मैदान ठीक झील के किनारे है, लेकिन कमाल देखिए। इस मैदान ने बड़े-बड़े खिलाड़ी दिए हैं। हॉकी में ओलंपिक खेलने वाले सैय्यद अली हों या राजेंद्र रावत। क्त्रिकेट तो जैसे यहां के सबसे खास खेल में शुमार हो चुका है। जिला क्त्रीड़ा संघ के अधीन चलने वाले फ्लैटस मैदान में बारोमास (12 महीने) क्त्रिकेट के साथ-साथ फुटबाल भी खेलते हैं। इस मैदान में अखिल भारतीय, राज्यस्तरीय तथा स्थानीय स्तर के क्त्रिकेट, फुटबॉल टूर्नामेंट होते हैं। देश की सबसे पुराने हॉकी प्रतियोगिता में शुमार 'ट्रेड कप' पिछले 50 साल से अधिक समय से अनवरत हो रहा है। 'मोदी कप' 'हॉकी टूर्नामेंट', 'लैंडो लीग फुटबॉल', 'रामपुर कप फुटबॉल' सबसे पुराने टूर्नामेंट में से हैं। अंग्रेजी दौर में फ्लैटस में पोलो खेला जाता था। पर्यटन सीजन की शुरुआत यानी अप्रैल से इस मैदान का आधा हिस्सा पार्किंग के लिए आरक्षित कर लिया जाता है, मगर इससे खेलों पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

दोस्ती का उजाला आपकी भीतरी राहों को हमेशा रोशन करेगा

बचपन से अब तक न जाने कितने दोस्त बने लेकिन बमुश्किल दो-तीन ही ऐसे निकले जिनसे एक बार छन गई तो फिर कभी छूटी ही नहीं। हालांकि इस बात का कोई व्यवहारिक अर्थ नहीं बचा है। जिंदगी ने दूरियां पैदा कर दी हैं। किसी से साल में एक-दो बार फोन पर बात हो जाए, मिलना-जुलना दो-चार साल में एक बार ही हो पाए तो इसमें दोस्ती बनी रहने जैसा क्या है? बस, भीतर यह एहसास रहता है कि हमारे बीच भरोसे का रिश्ता है। बिना सफाई दिए कोई भी बात हर बार हम वहीं से शुरू कर सकते हैं, जहां से पिछली बार खत्म की थी। घंटे-दो घंटे की हिचक के बाद अपने गहरे से गहरे दुख-सुख का साझा कर सकते हैं। आज जब कई बातें सगे भाई तक से छिपाई जाने लगी हैं, तब इस तरह की टेलि-फ्रेंडशिप भी खुद में किसी उपलब्धि से कम नहीं है। आजीवन दोस्ती के इस लगभग असंभव आग्रह को छोड़ दें तो जिंदगी के हर दौर में दोस्त बनते रहते हैं। पढ़ाई के दोस्त, खेल के दोस्त, आंदोलन के दोस्त, नौकरी के दोस्त, नशे-पत्ती के दोस्त, अस्पताल के दोस्त। यहां तक कि सुबह टहलते वक्त बगल से मुस्कुरा कर गुजर जाने वाले बेनाम दोस्त। बचपन में गांव और शहर के बीच मेरा आना-जाना लगा रहता था।

चेहरे पर अनचाहे बालों के पीछे आपकी लाइफस्टाइल हो सकती है जिम्मेदार

अधिकतर लोगों के चेहरे पर थोड़े-बहुत बाल होते हैं। इंसान के शरीर के हर हिस्से पर बाल होते हैं। कई बार यह बहुत हल्के होते हैं कि हमें दिखाई ही नहीं देते हैं। वहीं कुछ लोगों के चेहरे पर काफी बाल होते हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं कि उन्हें कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। खूबसूरत चेहरा तो हर महिला की चाहत होती है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि फेस हेयर का कारण आपकी लाइफस्टाइल भी हो सकती हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि अगर आपको पीसीओएस या कोई हेल्थ समस्या नहीं होती है तो आपके फेस हेयर क्यों आते हैं।

हार्मोनल इम्बैलेंसः हालांकि फेस पर बाल एक नेचुरल कारण भी होता है। लेकिन हेल्दी लाइफस्टाल से इसे काफी हद तक कंट्रोल भी किया जा सकता है। महिलाओं की जिंदगी में फेस हेयर हिर्सुटिस्म के कारण भी हो सकते हैं। कई बार हार्मोन्स के कारण भी फेस पर अधिक बाल आने लगते हैं। यदि किसी महिला के शरीर में मेल हार्मोन्स ज्यादा होते हैं तो यह बीमारी होती है। किसी ट्यूमर या फिर पीसीओएस की दवा लेने के कारण भी चेहरे पर बाल की समस्या देखी जा सकती है।

वर्कआउटः अगर आपकी लाइफस्टाइल बेहद बिजी है और एक्सरसाइज का समय नहीं मिल पाता है। तो फेस हेयर बढ़ने की

गुंजाइश हो सकती है। क्योंकि एक्सरसाइज न करने से मोटापा बढ़ता है। ऐसे में शरीर में कई तरह के हार्मोनल इम्बैलेंस होने लगते हैं। ओबेसिटी की वजह से चेस्ट, अपर लिप्स और चिन पर बाल आने लगते हैं। इसलिए आपको अपनी बिजी लाइफस्टाइल से थोड़ा सा समय निकालकर 30 मिनट एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए।

मछली और ऑयली खानाः मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड्स पाया जाता है। जो हेयर ग्रोथ को बढ़ाने का काम करते हैं। मछली प्रोटीन का एक अच्छा सोर्स होता है। बताया जाता है कि अधिक मछली के सेवन से महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ता है। ऐसे में अगर महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ता है, तो यह फेशियल हेयर की ग्रोथ का जिम्मेदार हो सकता है।

कैफीनः अगर आप भी अपने दिन की शुरूआत कॉफी से करती हैं, या पूरे दिन में 4-5 कप से ज्यादा कॉफी पीती हैं तो यह टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि आप 4 हफ्ते से ज्यादा इस तरह की लाइफस्टाइल जारी रखती हैं तो यह आपके शरीर में टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ाता है। इसलिए डीकैफ या कम कैफीन वाले ऑप्शन को चुन सकती हैं।

मेनोपॉजः बता दें कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल आने लगते हैं। वहीं महिला हो या पुरुष, मोटापा हमारे शरीर में होर्मोन के असंतुलन की वजह से फेस पर हेयर ग्रोथ होने लगती है। वहीं लंबे समय तक ली जाने वाली दवाओं और स्टेरॉयड्स की वजह से भी फेस पर काफी बाल आने लगते हैं।

पहाड़, लकड़ी के घर और ट्रैकिंग करना हो तो इस गर्मी नॉर्थ ईस्ट में बिताएं छुट्टियां

नागालैंड में सिर्फ एक ही एयरपोर्ट है और यह हवाईअड्डा, कोहिमा शहर से 68 किमी. की दूरी पर स्थित है। इस हवाई अड्डे से कोलकाता और गुवाहटी के लिए नियमित रूप से उड़ान भरी जाती हैं। दीमापुर हवाई अड्डे से कोहिमा के लिए टैक्सी और शटल्स उपलब्ध हैं। कोहिमा, उत्तर-पूर्व के सभी प्रमुख स्थानों जैसे - गुवाहटी, इम्फाल, शिलांग और दीमापुर सहित कई स्थानों से भली-भांति जुड़ा हुआ है। **जीरो वैली :** अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से बेहद खूबसूरत डेस्टिनेशन है, लेकिन यहां सबसे पुराने गांवों में से एक जीरो वैली की प्राकृतिक सुंदरता की बात ही कुछ और है। समुद्र तल से 1500 मीटर की ऊंचाई पर यह लोअर सुबनसिरी जिले में स्थित है। इस वैली को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा हासिल है। चारों तरफ हरियाली से घिरे इस घाटी में शोरगुल से दूर शांत व कुदरत के बेहद करीब महसूस करेंगे। यहां देखने लायक जगहों में जीरो पुतु है, जहां 1960 के दौरान आर्मी कॉन्टेंमेंट की स्थापना की गई थी। टैली-वैली वाइल्डलाइफ भी है, जो करीब 337 स्क्वायर किमी. क्षेत्र में फैला हुआ है। जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों की विविध प्रजातियां देखी जा सकती है। यहां बांस की अनूठी प्रजातियां पाई जाती हैं, जो टूरिस्ट के बीच बेहद लोकप्रिय है। सियांग नदी में राफ्टिंग का रोमांच ले सकते हैं। इलाके की मूल अपातनी जनजाति साल में 3 प्रमुख उत्सव म्योको, मुरूंग तथा ड्री मनाती है। सितंबर के अंत में सर्द मौसम में यहां तीन दिवसीय जीरो म्यूजिक फेस्टिवल भी आयोजित होता है। घाटी की सैर का सबसे अच्छा समय फरवरी से अक्टूबर माना जाता है। **शिलांग :** मेघालय गर्मी की छुट्टियों में फैमिली के शिलांग के प्लान बना सकते हैं। यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। शिलांग मेघालय की राजधानी है। यहां वार्ड लेक, स्वीट फॉल्स, शिलांग पीक, खासी हिल्स, उमियाम लेक, एलिफेंट फॉल्स, केव्स आदि देखने लायक बेहतरीन जगह हैं। एलिफेंट और स्वीट फॉल्स जरूर देखें या फिर आप चाहें, तो गुफाओं को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। बोटिंग का लुत्फ उठाना हो, तो उमियाम

लेक में इसकी सुविधा उपलब्ध है। यहां पर वाटर स्पोटर्स कॉम्प्लैक्स भी है। इसके अलावा, यहां से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर चेरापूंजी है। चेरापूंजी के पास ही नोहकालीकाई बेहद खूबसूरत झरना है। मानसून के दिनों में इस इलाके की खूबसूरत और निखर जाती है। खासकर खूबसूरत लेक्स, वॉटरफॉल के साथ एडवेंचर एक्टिविटीज के बीच छुट्टियां कैसे खत्म हो जाएगी, पता ही नहीं चलेगा। यह छोटा शहर है, इसलिए पैदल घूम सकते हैं या फिर सिटी बस या पूरे दिन के लिए टैक्सी किराये पर लेकर घूम सकते हैं। यहां के प्राकृतिक नजारों के बीच आप बिल्कुल तरोताजा महसूस करेंगे। **हाफलोंग :** असमनेचर लवर्स और कैंपिंग करने वाले ट्रैवल्स के बीच लोकप्रिय हिल स्टेशन है। यह असम का बेहद खूबसूरत और एकलौता हिल स्टेशन है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई करीब 680 मीटर है। गर्मियों से फैमिली के साथ सुकून से छुट्टियां गुजारने के लिए उपयुक्त जगह है। यह गुवाहाटी से करीब 310 किलोमीटर की दूरी पर है। यह घाटी बेहद खूबसूरत है। चारों तरफ फैली हरियाली और मनोरम दृश्य मन को मोह लेगा। जो लोग लंबी दूरी तक पैदल चल सकते हैं, उनके लिए परफेक्ट है। यहां फैमिली के साथ पिकनिक का लुत्फ भी उठा सकते हैं। यह हिल स्टेशन हाफलोंग झील के लिए भी प्रसिद्ध है। यह असम के सुहाने पहाड़ी नजारों में से एक है। इस जगह पर आपको एक से बढ़कर एक नेचर सीनरी देखने को मिलेंगी। यहां आप बोटिंग का भी मजा ले सकते हैं। यहां पर आप लेक साइड रिजॉर्ट में ठहर सकते हैं और एडवेंचर गतिविधियों में भी हिस्सा ले सकते हैं। **चमफाई :** मिजोरम की अनछुई प्राकृतिक खूबसूरती ऐसी है कि आप दीवाने हो जाएंगे। मिजोरम की राधजानी आइजॉल से करीब 192 किलोमीटर की दूरी पर चमफाई है। चमफाई इंडो-म्यामार बोर्डर पर स्थित है। यहां हरे-भरे खेत और पड़ोसी देश म्यामार की पहाड़ियां मन मोह लेती हैं। यहां आने के बाद मुर्लेन नेशनल पार्क, मुरा पुक, रीह दिल लेक और थसियामा सेनो नैहना जाना न भूले। मुर्लेन नेशनल पार्क इंडो- म्यामार बार्डर पर स्थित है। यह पार्क जैव-विविधतायों से समृद्ध है। पक्षियों की करीब 150 प्रजातियां यहां पाई जाती हैं। चमफाई से पांच किलोमीटर दूर रूएंतलैंग गांव जा सकते हैं। यहां मिजो लोगों के पुराने रहन-सहन को अब तक देखा जा सकता है। मुरा पुक जोटे गांव में स्थित है। यह पर्टयकों को खूब आकर्षित करता है, क्योंकि यहां पर छह गुफाएं हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें 106 बार हुई है आमने सामने, जानें किसका पलड़ा रहा है भारी

नई दिल्ली। आईसीसी ट्रॉफी यानी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत आज यानी सात जून से लंदन के ओवल में होने जा रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले को जीतने के लिए दोनों ही टीमें तैयार है। इस टूर्नामेंट से पहले इस वर्ष भारत और ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली थी जिसमें भारतीय टीम ने जीत हासिल की थी। इस चैंपियनशिप फाइनल को लेकर भारतीय टीम जमकर प्रैक्टिस की है। अब दोनों टीमें खिताब के लिए आमने सामने उतरेंगी।

आंकड़ों पर गौर करें तो दोनों टीमों बीच कुल 106 मुकाबले खेले गए है। इन मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया की टीम का पलड़ा भारी रहा है। कंगारू टीम में कुल 106 मुकाबलों में से 44 में जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम काफी पीछे है। भारत ने 32 मुकाबले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीते है। वहीं दोनों टीमों के बीच कुल 29 टेस्ट मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए है। एक मैच टाई भी हुआ है। दोनों के बीच पहला टेस्ट मुकाबला वर्ष 1947 में खेला गया था। बता दें कि इससे पहले दोनों टीमों के बीच इस वर्ष की शुरुआत में यानी फरवरी मार्च में चार टेस्ट मुकाबलों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली गई थी। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी। बता दें कि इस सीरीज को भारत में खेला गया था जहां टीम ने जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में आईसीसी खिताब के सूखे को खत्म करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम उन टीमों में शामिल है जो डब्ल्यूटीसी के पिछले दो चक्र में निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीम रही है। गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले 10 साल में सफेद गेंद के लगभग सभी बड़े टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफल रहा लेकिन इसके बावजूद खिताब नहीं जीत पाई है।

भारत का अंतिम खिताब वर्ष 2013 में आया था, जब भारतीय टीम ने इंग्लैंड में चैंपियन्स ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। भारत इसके बाद तीन बार फाइनल मुकाबले में जगह बना चुका है मगर हर बार उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में चार बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भी बाहर हुआ है।

काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे खिलाड़ी, मौन भी रखा,क्या है कारण

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल आज ओवल में शुरू हुआ। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है जबकि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम में शीर्ष ऑफ स्पिनर रवि अश्विन को मौका नहीं मिल पाया। इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीमों के खिलाड़ी काली पट्टी बांधे नजर आए। उन्होंने ओडिशा ट्रेन त्रासदी के पीड़ितों की याद में ऐसा किया। दोनों टीमों ने राष्ट्रगान से पहले एक पल का मौन भी रखा।

भारतीय क्रिकेट टीम ओवल में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के पहले दिन का खेल शुरू होने से पहले ओडिशा ट्रेन त्रासदी के पीड़ितों की याद में एक पल का मौन रखा। टीम हासदे पर शोक व्यक्त करती है और उन सभी लोगों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गंवाई। प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए टीम इंडिया काली पट्टी बांधेगी। वे ओडिशा ट्रेन त्रासदी के पीड़ितों की याद में ऐसा कर रहे हैं। दोनों टीमों ने राष्ट्रगान से पहले एक पल का मौन भी रखा। ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस दो जून को 'लूप लाइन' पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे कोरोमंडल एक्सप्रेस के अधिकतर डिब्बे पटरी से उतर गए। उसी समय वहां से गुजर रही तेज रफ्तार बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा कर पटरी से उतर गए। इस हादसे में कम से कम 288 लोगों की मौत हो गई, जबकि 900 से अधिक लोग घायल हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने इस मैच में चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया है जिसके कारण ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली है। मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर तेज गेंदबाज की भूमिका निभाएंगे जबकि ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा अंतिम एकादश में एकमात्र स्पिनर हैं।

करेन खाचानोव को शिकस्त देकर जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस। दिग्गज टेनिस खिलाफ नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में कारेन खाचानोव को मंगलवार को यहां शिकस्त देकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। सर्बिया के इस खिलाड़ी ने पुरुष एकल मैच मेंरूस के 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-6, 7-6, 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। खाचानोव ने पहले सेट में पूर्व नंबर एक खिलाड़ी को चौकाया लेकिन जोकोविच ने इसके बाद अनुभव के दम पर वापसी करते हुए दूसरे सेट को मुश्किल से जीता। अगले दो सेट में इस खिलाड़ी ने दबदबे वाला प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और करोलिना मुचोवा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर पहली बार सेमीफाइनल की टिकट पक्की की जहां दोनों खिलाड़ी गुरुवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे।

सबालेंका ने येलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-4 से मात दी जबकि गैरवरीय मुचोवा ने 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पावलुचेनकोवा को 7-5, 6-2 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की। दोनों खिलाड़ी पहली बार इस ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे है। इससे पहले रोलां गौरां में दोनों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर में पहुंचना था। अक्टूबर में बच्चे के जन्म के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खेल रही यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने मैच गंवाने के बाद बेलारूस की अपनी प्रतिद्वंद्वी से हाथ नहीं मिलाया। उनकी इस हरकत का दर्शकों के एक वर्ग ने शोर मचाकर विरोध किया। बेलारूस ने यूक्रेन हमले पर खुल कर रूस का समर्थन किया है।

सबालेंका ने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। इस से पहले खेले गये मुकाबले में मुचोवा के खिलाफ पावलुचेनकोवा के खेल पर थकान हावी रहा। उनका पिछला मुकाबला तीन घंटे से अधिक चला था। उन्होंने मुकाबले के दूसरे सेट में आसानी से घुटने टेक दिये। पहले सेट में मुचोवा को टक्कर देने के बाद पावलुचेनकोवा ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की। उन्होंने कुछ दमदार मैदानी शॉट लगाये लेकिन 1-4 से पिछड़ने के बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल हो गया। मुचोवा दो साल पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी।

शार्दुल ठाकुर ने डब्ल्यूटीसी फाइनल को जिंदगी में एक बार मिलने वाला मौका करार दिया

लंदन। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल को जिंदगी में एक बार मिलने वाला मौका करार दिया और कहा कि वह इसमें अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। अभी तक अपने आठ में से तीन टेस्ट मैच इंग्लैंड में खेलने वाले ठाकुर को अंतिम एकादश में जगह मिलेगी या नहीं यह अभी तक तय नहीं है लेकिन यह 31 वर्षीय खिलाड़ी अपनी तरफ से पूरी तरह तैयार है। ठाकुर ने आईसीसी से कहा,'' मेरा मानना है आईसीसी प्रतियोगिता विशेषकर फाइनल में खेलने का मौका हमेशा नहीं मिलता है इसलिए मुझ जैसे खिलाड़ी के लिए यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला अवसर है।'' उन्होंने कहा,''मैं यही चाहता हूं कि इसका पूरा फायदा उठाया जाए। वह हमेशा विशेष क्षण होता है जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं विशेषकर भारत का जहां करोड़ों लोग देश की तरफ से खेलने का सपना देखते हैं और केवल सर्वश्रेष्ठ 15 को ही देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाता है।

संन्यास लेने के दो साल बाद फिर टेस्ट क्रिकेट खेलते दिखेंगे मोईन अली

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए एक खुशखबरी है। टेस्ट क्रिकेट से सन्यास ले चुके मोइन अली ने अपना टेस्ट क्रिकेट से संन्यास वापस ले लिया है। इस फैसले को वापस लेने के बाद जल्द ही मोईन अली टेस्ट मुकाबले में खेलते नजर आएंगे। मोईन अली अब एशेज सीरीज में खेलते दिखेंगे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 जून से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज के मद्देनजर ये फैसला किया है। इस सीरीज के लिए मोईन अली अब टीम के साथ जुड़ गए है। गौरतलब है कि इंग्लैंड के इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में भारत दौरे के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। हालांकि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम द्वारा इस फैसले पर विचार करने की विनती के बाद मोइन अली ने अपना फैसला वापस ले लिया है। मोईन अली को चोटिल स्पिनर जैक लीच की जगह टीम में शामिल किया गया है। इमोईन अली के टेस्ट क्रिकेट में लौटने के संबंधित खबर की पुष्टि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी कर दी है। बाएं हाथ के स्पिनर लीच पीठ दर्द के कारण एशेज से बाहर हो गए। इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने बुधवार को जारी बयान में कहा'' हमने इस सप्ताह के शुरू में मोईन अली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास वापस लेने के लिए संपर्क किया। मोईन टीम से जुड़ने और फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हैं।'' आईपीएल 2023 की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे मोईन अली ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट के रूप में अपना आखिरी मैच भारत के खिलाफ सितंबर 2021 में ओवल में खेला था। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ लाड्र्स में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। मोईन ने अभी तक 64 टेस्ट मैचों में 28.29 की औसत से 2914 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उनके नाम पर 195 विकेट दर्ज हैं।

एशेज के लिए इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है : बेन स्टोक्स (कप्तान), मोईन अली, जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जोश टोंग, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आप अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रह सकते हैं। किसी काम को लेकर बाहर जाने की योजना बन सकती है। आज व्यापार-व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। किसी बात को लेकर परिवार में विवाद की स्थिति बनने से मन अशांत रहेगा।

वृषभ राशिः आज का दिन आपका शानदार रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में नए पार्टनर सहयोगी लोगों का साथ मिलेगा। घर परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का योग बनेगा। पत्नी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन राशिः आज दिन उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। अपने किसी साथी या जानकर के व्यवहार से मन खिन्न रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में आपके सहयोगियों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। संभलकर रहें और वाहन आदि का उपयोग संभालकर करें।

कर्क राशिः आज आपको व्यवसाय में किसी परिचित के कारण नुकसान उठाना पड़ सकता है। आज किसी लम्बी यात्रा आदि पर न जाएं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवारिक मतभेद से आप दूर रहें। कोई नया काम शुरू न करें।

सिंह राशिः आज का दिन अच्छा महसूस करेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा और किसी आध्यात्मिक व्यक्ति से मिलना होगा। उनका मार्गदर्शन आपके जीवन के लिए लाभकारी रहेगा। आज आपको व्यापार आदि में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे।

कन्या राशिःआज का दिन अच्छा रहने वाला है, आज आप कोई नया वाहन मकान खरीद सकते हैं। किसी अपने के घर मांगलिक कार्यक्रम में जाना होगा। आप किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं। परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा।

तुला राशिः आज आप मानसिक तनाव परिवारिक कलह की वजह से परेशान नजर आएंगे। पुराना कोई विवाद फिर से आपके सामने आ सकता है। आप अपने किसी परिचित को खो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में आपको कोई नया डिसीजन अभी सोच-विचार कर लेने की जरूरत है। पत्नी से मतभेद बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक राशिःआज आपको अपने स्वास्थ्य में गिरावट महसूस होगी। काम की अधिकता के कारण स्वभाव में चिड़चिड़ापन बना रहेगा। व्यापार में अपनो के कारण बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वाणी पर संयम रखें। न्यायलय पक्ष में हानि उठानी पड़ सकती है।

धनु राशिः आज का दिन आपका अच्छा निकलेगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होने से मन प्रसन्न रहेगा। कोई पुराने साथी से मिलना होगा। कोई नया काम आज आप शुरू कर सकते हैं। परिवार में कोई शादी संबंध निश्चय हो सकता है। पत्नी का सहयोग और प्रेम प्राप्त होगा।

मकर राशिः आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने प्रिय से मिल सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में आप नई साझेदारी शुरू कर सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी व्यक्ति विशेष से मिलना होगा। पत्नी से मतभेद खत्म होंगे। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ राशिःआज के दिन आपको वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। वाद-विवाद से आप दूर रहें, लेकिन परिवारिक जीवन में उतार-चढाव की स्थिति बनेगी। आप किसी कार्य के सिलसिले में किसी विशेष व्यक्ति से मिल सकते हैं। परंतु कार्य पूर्ण होने में संदेह है। पत्नी से संबंध मधुर होंगे।

मीन राशिः आज आपको अपने किसी परिचित का दुखद समाचार मिलेगा। मन अशांत रहेगा। आज आप कोई भी व्यापार आदि में बड़ा डिसीजन न लें। पारीवारिक कलह के कारण मन दुखी रहेगा। किसी कार्य के लिए आपको बाहर जाना पड़ सकता है। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें और वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें।

बडे पैमाने पर सर्विलांस एव एस ओजी टीम शाहगंज पुलिस के द्वारा चार अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर कि हुई गिरफ़्तारी

दो अदद ट्रक एव 450 किलो 4 कुन्तल 50किलो मादक पदार्थ हुआ बरामद जीस कि कीमत एक करोड़ रूपए है

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ/शराब तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाया गया है इसी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी घोरावल अमित कुमार के निर्देशन में अपराध शाखा की सर्विलांस/एसओजी टीम व थाना शाहगंज पुलिस की सयुंक्त टीम गठित की गयी । इस टीम द्वारा कड़ी मेहनत कर आसूचना संजाल तैयार किया गया, इसी क्रम में दिनांक 06.06.2023 को सायं सर्विलांस/एसओजी टीम व थाना शाहगंज पुलिस द्वारा ग्राम बेलाव थाना गेट शाहगंज-राजगढ़ मुख्य मार्ग से 02 अदद ट्रक संख्या- ळइ-63 ऊ 9752 व इँ-46 श 8915 से उड़िसा से मीरजापुर ले जा रहे 04 अन्तर्राज्यीय/अन्तर्जनपदीय तस्करों को 450 किलोग्राम (04 कुन्तल 50 किलो) गांजा (अनुमानित कीमत लगभग 45 लाख रुपये) के साथ गिरफ्तार किया गया। इस गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना शाहगंज पर मु0अ0सं0 48/2023 धारा 8/20 उइर्ए् का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण - सर्विलांस/एसओजी टीम व थाना शाहगंज पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि उड़िसा प्रांत के सम्भलपुर सोनपुर से गांजा की तस्करी दो ट्रकों से हो रही है । वह दोनो ट्रक अपना रास्ता बदलकर चकिया अहरौरा होते हुए राबर्ट्सगंज शाहगंज बाजार से राजगढ़ रोड से मड़िहान होते हुए मीरजापुर जायेंगे । इस सूचना पर सर्विलांस/एसओजी टीम सोनभद्र व थाना शाहगंज पुलिस द्वारा ग्राम बेलाव थाना गेट शाहगंज-राजगढ़ मुख्य मार्ग से 02 अदद ट्रक संख्या- ळइ-63 ऊ 9752 व इँ-46 श 8915 से उड़िसा से मीरजापुर जा रहे 04 अन्तर्राज्यीय/अन्तर्जनपदीय तस्करों को ट्रको में बने गुप्त स्थान में छिपाकर ले जा रहे 450 किलोग्राम (04 कुन्तल 50 किलो) गांजा (अनुमानित कीमत लगभग 45 लाख रुपये) के साथ गिरफ्तार किया गया।

विवरण पूछताछ- पूछताछ करने पर तस्करों द्वारा बताया गया कि हम लोग मिलकर गांजा का क्रय-विक्रय का कारोबार करते हैं, दिनांक 02.06.2023 को दोनो ट्रक हम लोग लेकर उड़िसा प्रांत के सम्भलपुर सोनपुर गये वहां पर एक व्यक्ति हम लोगों की ट्रकों को लेकर चला गया तथा लगभग 06 घण्टे बाद वह ट्रकों में गांजा लोड करके हम लोगों को दे दिया दूसरे दिन हम पुलिस के द्वारा पकड़े जाने के भय से रुट बदलकर मीरजापुर जा रहे थे । तस्करों द्वारा यह भी बताया गया कि ट्रक की बाडी में चैम्बर व एक अतिरिक्त डीजल टैंक लगा है उन सभी में गांजा भरा है। हम लोग यह काम पहले भी कई बार कर चुके हैं ।

गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण -

1. अमरीक सिंह पुत्र गुरुनाम सिंह निवासी चकमहल थाना गोदवाल साहेब जनपद तरनतारन पंजाब उम्र लगभग 59 वर्ष ।
2. गौरव पुत्र सूर्यनारायण निवासी बथुआ वार्ड नं0-29 राजकीय पॉलिटेक्निक गेट के पास थाना कटरा कोतवाली मीरजापुर उम्र लगभग 21 वर्ष ।
3. रामलाल यादव पुत्र रामबली यादव निवासी खेतासराय वार्ड नं0-6 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर उम्र लगभग 58 वर्ष ।
4. राशिद उर्फ दिलशाद पुत्र इरशाद अहमद निवासी खेतासराय वार्ड नं0-13 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर उम्र लगभग 19 वर्ष ।

बरामदगी का विवरण-

1. 450 किलो (04 कुन्तल 50 किलो) मादक पदार्थ गांजा (अनुमानित कीमत 45 लाख रुपये)
2. दो अदद ट्रक संख्या- ळइ-63 ऊ 9752 व इँ-46 श 8915 (अनुमानित कीमत 55 लाख रुपये)।

गिरफ्तारी /बरामदगी में सम्मिलित पुलिस टीम का विवरणः-

01. प्रभारी निरीक्षक केदार नाथ मौर्या, थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र।
02. निरीक्षक राजेश सिंह, प्रभारी सर्विलांस सेल, जनपद सोनभद्र ।
03. निरीक्षक शेषनाथ पाल, प्रभारी एसओजी, जनपद सोनभद्र।
04. उप निरीक्षक योगेन्द्र पाण्डेय, थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र।
05. हे0का0 जगदीश मौर्या, हे0का0 अतुल सिंह, हे0का0 शशि प्रताप सिंह, हे0का0 अमर सिंह, का0 रितेश पटेल, का0 प्रेम प्रकाश चौरसिया, का0 अजीत यादव एसओजी टीम, जनपद सोनभद्र ।
06. हे0का0 सौरभ राय, हे0का0 प्रकाश सिंह, का0 अमित सिंह सर्विलान्स टीम, जनपद सोनभद्र ।
07. हे0का0 प्रेमचन्द्र प्रसाद, हे0का0 राकेश कुमार यादव, हे0का0 अंसार सिद्दीकी, हे0का0 पिन्टू सिंह, का0 मनोज कन्नौजिया, थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र ।

फाइनल मुकाबले के लिए आईसीसी ने तैयार की दो पिच

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला सात जून से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाना है। इस मुकाबले पर दुनिया भर के क्रिकेट फैंस की नजरें बनी हुई है। इस मुकाबले में जीत हासिल करने वाली टीम को टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब मिलेगी। ये मुकाबला इंग्लैंड के लंदन स्थित ओवल में खेला जाएगा।

इस बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए आईसीसी ने खास तैयारी की है। इस खिताबी मुकाबले के लिए आईसीसी ने दो पिच तैयार करवाई है। आईसीसी ने खास कारण से दो पिचों का निर्माण करवाया है। हालांकि आईसीसी द्वारा दो पिच का निर्माण कराए जाने को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आईसीसी ने ये कदम ऐहतियात के तौर पर उठाया है। इस पिच को बैकअप पिच के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

बता दें कि आईसीसी ने ये फैसला लंदन में इन दिनों चल रहे ऑयल प्रोटेस्ट के कारण ये फैसला लिया है। आईसीसी को डर है कि कहीं प्रदर्शनकारी पिच को खराब ना कर दें ऐसे में एहतियात के तौर पर दूसरी पिच भी बनवाई गई है। इस मुकाबले को लेकर आईसीसी ने बयान जारी कर कहा कि ये चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला है। हम सभी चीजों के लिए तैयार है। फाइनल का नतीजा निकले यही हम चाहते है।

बता दें कि इन दिनों लंदन में 'जस्ट स्टॉप ऑयल' प्रदर्शन हो रहा है। इस प्रदर्शन के तहत प्रदर्शनकारी ब्रिटेन सरकार की नई तेल, गैस और कोयला परियोजनाओं के विरोध में सड़कों पर उतरे हुए है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार इन परियोजनाओं से संबंधित लाइसेंसो को तत्काल रद्द करे। आईसीसी को ये भी संभावना है कि चैंपियनशिप के लिए तैयार की गई पिच को प्रदर्शनकारी नुकसान पहुंचा सकते है।

'भारतीय टीम के अधिक क्रिकेट खेलने के कारण बहुत सारे खिलाड़ियों का इस्तेमाल करना पड़ा'

लंदन। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने मंगलवार को कहा कि हाल के वर्षों में अविश्वसनीय रूप से अधिक मैचों की संख्या ने भारतीय टीम को सभी प्रारूपों में बहुत सारे खिलाड़ियों का ' इस्तेमाल'

करने के लिए मजबूर किया। 'द ओवल' में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की पूर्व संध्या पर द्रविड़ ने भारतीय टीम को कोचिंग देने के अपने अनुभवों और अपनी यात्रा के बारे में बात की। द्रविड़ ने 'स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''हमें कुछ अनुभवी खिलाड़ी मिले हैं, हमें पिछले 18 महीनों के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को आजमाया हैं। हमें तीन अलग-अलग प्रारूपों और भारतीय टीम के द्वारा अधिक संख्या में मैच खेलने के कारण ज्यादा खिलाड़ियों का इस्तेमाल करना पड़ा।'' भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा, '' हमारी क्रिकेट प्रणाली बहुत सारे खिलाड़ी आ रहे हैं और बाहर भी हो रहे हैं। यह वास्तव में रोमांचक रहा है और मेरे लिए भी सीखने का एक अच्छा अनुभव रहा है।'' उन्होंने कहा, '' हाँ, यह बहुत मजेदार रहा है और मैंने इसका लुत्फ उठाया है। इस दौरान मुझे बहुत सारे खिलाड़ियों के साथ काम करने और एक बड़े समूह के साथ बेहतर रिश्ते बनाने का मौका मिला।'' भारतीय कोच ने कहा, '' इन 18 महीनों के दौरान मैंने एक व्यक्ति के रूप में अपने बारे में और कोचिंग के बारे में भी बहुत कुछ सीखा है।

सम्पादकीय

क्या खोया, क्या पाया

मोदी सरकार के इन नौ वर्षों पर एक नजर डालें तो कुछ बातें बिल्कुल स्पष्ट नजर आती हैं। 2014 में जब पहली बार बीजेपी के पूर्ण बहुमत वाली एनडीए सरकार बनी, उसके बाद से पार्टी ने असाधारण विस्तार देखा है। 2014 में बीजेपी सिर्फ 7 राज्यों में सरकार में थी। पांच राज्यों में उसके मुख्यमंत्री थे जबकि दो राज्यों में वह जूनियर पार्टनर के तौर पर सरकार में शामिल थी। आज 2023 में 15 राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों में या तो उसकी सरकार है या वह सरकार में शामिल है। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि पूरा नॉर्थ ईस्ट उसके प्रभाव की जद में आ चुका है, जबकि 2014 तक वहां उसकी बिल्कुल भी मौजूदगी नहीं थी। देश के पॉलिटिकल लैंडस्केप को नया रूप देना निश्चित रूप से एक ऐसी बात है, जिसे मोदी सरकार अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करना चाहेगी। विदेश नीति की बात करें तो भारत का रुतबा इन नौ वर्षों में काफी बढ़ा है। खासकर, यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने जिस तरह से अपनी स्वतंत्र नीति बनाए रखते हुए सभी खेमों को साधे रखा, वह शीत युद्ध की समाप्ति और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के लगभग अप्रासंगिक हो जाने के बाद के दौर में बिलकुल नई चीज है और वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ने का स्पष्ट प्रमाण है। डिजिटल इकॉनमी और इन माध्यमों के जरिये आम लोगों तक सेवाओं की डिलिवरी में सरकार का काम बेहद सराहनीय है। खासतौर पर यूपीआई जैसी पहल, जो अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुकी है। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मोदी सरकार के कार्यकाल में तेज प्रगति हुई है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में सरकार वैश्विक स्तर पर अगुआई कर रही है। सोलर अलायंस के रूप में उसने कार्बन एमिशन घटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय पहल की है। हालांकि चीन से लगती सीमा पर तनाव सरकार के लिए चुनौती बनी हुई है। घरेलू मोर्चे पर भी नोटबंदी जैसे फैसले से सरकार जो हासिल करना चाहती थी, वह नहीं कर पाई। कोरोना महामारी से उपजी कठिनाइयों से देश काफी हद तक उबर चुका है, लेकिन बेरोजगारी और डिमांड में कमी जैसी चुनौतियां बरकरार हैं, जिनसे अभी निपटना है। इकॉनमी की बात करें तो कोरोना महामारी से पहले ही आर्थिक विकास दर सुस्त पड़ने लगी थी। इसके बावजूद भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस दशक के खत्म होने से पहले वह तीसरी बड़ी इकॉनमी बन जाएगी। आने वाले वक्त में इसके लिए सबसे बड़ा इम्तहान आगामी लोकसभा चुनाव होंगे।

2000 के नोट को चलन से बाहर करने का कारण समझेंगे तो आप भी फैसले का समर्थन करेंगे

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 19 मई 2023 को एक सूचना जारी कर यह बताया गया है कि देश में 2000 रुपए के नोट चलन से बाहर किए जा रहे हैं, हालांकि यह वैध मुद्रा की श्रेणी में बने रहेंगे। सामान्यजन को यह सुविधा प्रदान की गई है कि वे 23 मई 2023 से बिना किसी प्रतिबंध के और भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान अनुदेशों तथा अन्य लागू सांविधिक प्रावधानों के अधीन बैंकों में जाकर 2000 रुपए के नोट को अपने बैंक खाते में जमा कर सकते हैं अथवा किसी भी बैंक शाखा पर अन्य मूल्यवर्ग के बैंक नोटों में बदल सकते हैं। परिचालनात्मक सुविधा को सुनिश्चित करने की दृष्टि से और बैंक शाखाओं के नियमित कार्यकलापों को बाधित किए बिना एक समय में 20,000 रुपए तक की राशि के 2000 रुपए के नोटों को किसी भी बैंक में अन्य बैंक नोटों के लिए बदला जा सकता है। उक्त महत्वपूर्ण कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए तथा सामान्यजन को 2000 रुपए के नोटों को अपने बैंक खाते में जमा करने अथवा अन्य बैंक नोटों में बदलने के लिए पर्याप्त समय देने हेतु देश में समस्त बैंक 2000 रुपए के नोटों को जमा करने अथवा बदलने की सुविधा 30 सितंबर 2023 तक उपलब्ध कराते रहेंगे। साथ ही, अब बैंक तत्काल प्रभाव से 2000 रुपए के नोटों को जनसाधारण को जारी नहीं करेंगे ताकि 2000 रुपए के नोट धीमे-धीमे भारतीय अर्थव्यवस्था से बाहर हो जाएं।

भारत में 2000 रुपए के नोट नवंबर 2016 में भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 24(1) के अंतर्गत जारी किए गए थे। आपको ध्यान में होगा कि नवम्बर 2016 में ही पुरानी सीरीज के रुपए 500 एवं रुपए 1000 के नोटों का वैध मुद्रा का दर्जा समाप्त करने की घोषणा की गई थी, जिसके चलते अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने के उद्देश्य से रुपए 2000 के नोट चलन में लाए गए थे। साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था में तरलता की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु नई सीरीज के रुपए 500, रुपए 200 एवं रुपए 100 के नोट भी पर्याप्त मात्रा में चलन में लाए गए थे एवं समय के साथ धीमे-धीमे इन नोटों की संख्या अर्थव्यवस्था में बढ़ती गई जिसके चलते देश में तरलता की स्थिति भी सुधरती गई। अतः वित्तीय वर्ष 2018-19 से रुपए 2000 के नोटों का मुद्रण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बंद कर दिया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के आकलन के अनुसार, 31 मार्च 2018 को देश की अर्थव्यवस्था में 2000 रुपए के नोटों की अधिकतम मात्रा 6.73 लाख करोड़ रुपये (चलन में कुल नोटों का 37.3 प्रतिशत) चलन में थी, जो 31 मार्च 2023 को घटकर 3.62 लाख करोड़ रुपये (चलन

में कुल नोटों का 10.8 प्रतिशत) रह गई है। साथ ही, यह भी ध्यान में आता है कि देश की अर्थव्यवस्था में 2000 रुपए के नोटों का उपयोग अब आर्थिक व्यवहारों के निपटान की दृष्टि से लेन-देन के लिए आमतौर पर नहीं किया जा रहा है क्योंकि एक तो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2000 रुपए के नोटों का मुद्रण बंद कर दिया गया है। दूसरे, देश की अर्थव्यवस्था में तरलता की स्थिति को नियंत्रण में बनाए रखने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु रुपए 500, रुपए 200 एवं रुपए 100 के नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो गए हैं। तीसरे, देश में लगभग 89 प्रतिशत 2000 रुपए के नोट 31 मार्च 2017 के पूर्व से ही अर्थव्यवस्था में चलन में हैं एवं सामान्यतः इन नोटों की अनुमानित आयु 4-5 वर्ष की मानी जाती है, अतः यह नोट अपनी अनुमानित आयु की सीमा को समाप्त कर चुके हैं। इस प्रकार, भारतीय रिजर्व बैंक की 'स्वच्छ नोट नीति' को ध्यान में रखते हुए 2000 रुपए के नोटों को अर्थव्यवस्था में चलन से बाहर किए जाने का निर्णय लिया गया है। पूर्व में भी वित्तीय वर्ष 2013-14 में भारतीय रिजर्व बैंक ने इसी प्रकार का निर्णय लिया था।

विश्व के अन्य देशों, विशेष रूप से विकसित देशों में, इतनी बड़ी राशि के बैंक नोट चलन में नहीं पाए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में अधिकतम 100 अमेरिकी डॉलर का नोट ही प्रचलन में हैं क्योंकि अमेरिकी नागरिक क्रेडिट कार्ड एवं डेबिट कार्ड का अधिकतम उपयोग करते हैं अतः उन्हें मुद्रा के रूप में डॉलर का उपयोग करने की आवश्यकता बहुत कम पड़ती है। वैसे अब भारतीय नागरिक, ग्रामीणों सहित, भी बहुत तेजी के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था को ग्रहण करते जा रहे हैं इसलिए अब देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी राशि के नोटों की आवश्यकता बहुत कम हो रही है। अर्थव्यवस्था में बड़ी राशि के नोटों को चलाए रखने में देश की भारी भरकम राशि खर्च होती है, जब बड़े नोटों की अब आवश्यकता ही कम हो रही है तो देश को इस भारी भरकम खर्च से बचाया जाना चाहिए। कई देशों में असामाजिक तत्वों एवं आतंकवादी संगठनों द्वारा एक समानांतर अर्थव्यवस्था भी चलाई जाती है जिसके अंतर्गत अवैध आर्थिक सौदे सम्पन्न किया जाते हैं एवं इन अवैध आर्थिक सौदों का निपटान कई बार नकली मुद्रा में भी किया जाता है। भारत के पड़ोसी देश भारतीय अर्थव्यवस्था को नुक्सान पहुंचाने के उद्देश्य से भारत में नकली मुद्रा के प्रचलन एवं प्रसार को बढ़ावा देते हैं। माननीय केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने सदन में जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया था कि देश में जब्त की जाने वाली नकली मुद्रा में 2000 रुपए के नोट भी भारी मात्रा में बरामद किए जा रहे हैं। अगस्त 2022 में देश के कई समाचार पत्रों में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के बयान का हवाला देकर यह बताया गया था कि वर्ष 2016 से वर्ष 2020 के बीच भारत में 2000 रुपए के नकली नोटों की बरामदगी में 107 गुणा वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2016 में 2000 रुपए के 2,272 नक़ली नोट बरामद हुए थे, वर्ष 2017 में 74,898 नकली नोट, वर्ष 2018 में 54,776 नकली नोट, वर्ष 2019 में 90,566 नकली नोट एवं वर्ष 2020 में 2000 रुपए के 244,834 नकली नोट बरामद हुए थे। इस दृष्टि से, 2000 रुपए के नोटों को भारतीय अर्थव्यवस्था में चलन से बाहर करने के निर्णय से असामाजिक तत्वों एवं आतंकवादी संगठनों की कमर भी टूट जाएगी तथा इससे देश में अतिवादी गतिविधियों पर रोक लगाने में भी मदद मिलेगी। कुल मिलाकर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में 2000 रुपए के नोटों को चलन से बाहर करने का निर्णय सही समय पर एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। किसी भी दृष्टि से यह निर्णय नोटबंदी नहीं कहा जा सकता है क्योंकि 2000 रुपए का नोट देश में एक वैध मुद्रा बना रहेगा, बल्कि यह तो राष्ट्र हित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

आरक्षण का मुद्दा मणिपुर से पहले कई और राज्यों को भी नुकसान पहुँचा चुका है

देश के राजनीतिक दल जब तक आरक्षण की आग में वोटों की रोटी सेकते रहेंगे, तब तक मणिपुर जैसे हादसे होते रहेंगे। आरक्षण की मांग को लेकर मणिपुर जल रहा है। मैतई समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हिंसा भड़की हुई है। इसमें कई लोगों की जानें जा चुकी हैं। दंगाइयों ने भारी संख्या में सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया है। मणिपुर में 16 जिले हैं। जिसमें से वैली 10 फीसदी है और यहां पर 53 प्रतिशत मैतेई समुदाय के लोग रहते हैं। इसके साथ ही 90 फीसदी पहाड़ी इलाका है और यहां पर 42 प्रतिशत कुकी, नागा के अलावा दूसरी जनजाति रहती है। गैर-जनजातीय मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को दिए गए निर्देश के बाद मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई।

1993 में भी मणिपुर में हिंसा हुई थी, तब एक दिन में नागाओं की तरफ से 100 से ज्यादा से ज्यादा कुकी समुदाय के लोगों को मार दिया गया। यह हिंसक घटना जातीय संघर्ष का परिणाम थी। अब एक बार फिर मणिपुर हिंसा से जूझ रहा है, 80 मौतें हो चुकी हैं। मणिपुर का मामला पहला नहीं है, जहां आरक्षण को लेकर बवाल हुआ है। इससे पहले भी आरक्षण को लेकर कई हिंसक आंदोलनों में देश जला है। ऐसे हिंसक आंदोलनों में देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ आग में देश कई बार झुलस चुका है। पहली बार मंडल कमीशन की सिफारिशों को 1990 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने लागू किया तो देश में सवर्ण समुदाय के लोग इसके विरोध में सड़क पर उतर आए। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुआ। इसके विरोध में आत्मदाह और ऐसी कई घटनाएं सामने आईं। कई जगह आगजनी और तोड़फोड़ तक हुई। वर्ष 2016 में हुए जाट आंदोलन के दौरान काफी हिंसा हुई थी। आंदोलनकारियों ने जाट समुदाय को ओबीसी में शामिल करने की मांग को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन किया था। हरियाणा में जमकर हिंसा, आगजनी व तोड़-फोड़ हुई थी। इस हिंसक आंदोलन में 30 लोगों की जान चली गई। गुजरात में पाटीदार समुदाय के लोगों ने ओबीसी में शामिल करने को लेकर 2015 में सबसे बड़ा प्रदर्शन किया था। गुजरात में हिंसा और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इलाके में कर्फ्यू लगाना पड़ गया था। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया था।

हरियाणा के जाट आरक्षण आंदोलन में करीब 35 हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। देश में अब तक आरक्षण आंदोलन से लाखों करोड़ का नुकसान हो चुका है। राजनीतिक दल इसकी भरपाई भी देश के आम लोगों से ही करते हैं। आरक्षित वर्ग भी इससे अलग नहीं

है। आर्थिक नुकसान से भरपाई के लिए बढ़ाए गए टैक्स की मार उन पर भी पड़ती है। गुर्जर आंदोलन आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में गुर्जर समुदाय ने काफी दिनों तक प्रदर्शन किया था। आंदोलनकारियों ने लंबे समय तक रेलवे ट्रैक को जाम रखा। इसका प्रभाव भी पूरे देश पर पड़ा था। पुलिस और आंदोलनकारी आमने-सामने आ गए थे। इस आंदोलन के दौरान गोलीबारी की भी घटना सामने आई थी। इसमें 20 लोगों की जान चली गई थी। महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन काफी चर्चा में रहा है। आंदोलनकारियों ने हिंसक झड़प में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं को अंजाम दिया था। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में निषाद आरक्षण आंदोलन के चलते एक सिपाही को अपनी जान भी गंवानी पड़ी थी।

विकास की बजाए आरक्षण राजनीतिक दलों के सत्ता पाने का आसान रास्ता बना हुआ है। देश में आरक्षण के हिंसक इतिहास के बावजूद राजनीतिक दल इसे खोना नहीं चाहते। देश के करीब आधा दर्जन राज्य ऐसे हैं, जो 50 फीसदी आरक्षण का दायरा बढ़ाने के पक्ष में खड़े हैं, ताकि उनका राजनीतिक और सामाजिक समीकरण मजबूत हो सके। इनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, झारखंड और कर्नाटक जैसे राज्य शामिल हैं। कर्नाटक ने भी आरक्षण बढ़ाया था। इसके अलावा बिहार, मध्य प्रदेश और अब छत्तीसगढ़ में भी आरक्षण बढ़ाने की मांग ने जोर पकड़ा हुआ है। इतना ही नहीं राजनीतिक दल वोटों की खातिर नौकरियों में भी अपने राज्य के लोगों के लिए आरक्षण लागू करने में पीछे नहीं रहे हैं। राज्यों में निवासियों के लिये रोज़गार आरक्षण विधेयक लाया गया है। ऐसा करने वाला झारखंड देश का सातवां राज्य है। इससे पहले आंध्र प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार में भी यह नियम लागू किया गया है। देश की एकता-अखंडता और सौहार्द की बजाए राजनीतिक दलों की किसी भी सूरत में सत्ता पाने की महत्वाकांक्षा ने खून-खराबे, तोड़फोड़ और हिंसा को जन्म दिया है। आरक्षण आंदोलनों से न सिर्फ हजारों करोड़ की सरकारी-गैर सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ है, बल्कि देश में जातिवाद की जहरीली जड़ों को सींचने का काम किया गया है। हकीकत में राजनीतिक दलों का पिछड़ी और दलित जातियों की भलाई से सरोकार नहीं है। यदि ऐसा होता तो आजादी के 75 साल बाद देश में आरक्षण के नाम पर राजनीति नहीं हो रही होती। दलितों और पिछड़ों तथा अन्य समुदायों के लिए विशेष योजनाओं को लागू करके इन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करने के गंभीर प्रयास करने की बजाए राजनीतिक दलों ने आरक्षण के जरिए देश के आंतरिक विभाजन को हवा दी है। सत्ता के लिए यह रास्ता राजनीतिक दलों को ज्यादा आसान लगता है। जरूरतमंदों के लिए योजनाएं बना कर क्रियान्वित करना टेढ़ी खीर है। भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ पिछड़े और दलितों तक नाममात्र का पहुंच पाता है। यही वजह भी है कि आरक्षण के साथ ही राजनीतिक दल चुनाव के दौरान धनबल से अपने राजनीतिक मंसूबे पूरा करने के प्रयास करते रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा जब्त की जाने वाली हजारों की राशि इसका प्रमाण है। राजनीतिक दलों ने आरक्षण के जरिए सत्ता प्राप्ति का छोटा रास्ता निकाला हुआ है। आरक्षण की बहती गंगा में हाथ धोने से किसी भी दल को गुरेज नहीं है। बेशक यह रास्ता देश में सामाजिक भेदभाव, कटुता और दूरियां बढ़ाने वाला ही क्यों न हो, किन्तु राजनीतिक दलों को यह मुफीद लगता है। यह निश्चित है कि देश को राजनीतिक दल अपने क्षुद्र स्वार्थों से ऊपर उठकर जब तक समग्र रूप से देशहित की नीतियां नहीं अपनाएंगे तब तक मणिपुर जैसे शर्मनाक हादसे होते रहेंगे।

कुछ राज्य जिस तरह अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं, उससे अन्य राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

भारत को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी कॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो निश्चित ही इसका रास्ता विभिन्न राज्यों के विकास के मार्ग से होकर जाता है। यह हर्ष का विषय है कि भारत के कुछ राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ओर ले जाने के गम्भीर प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन राज्यों में शामिल हैं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक एवं तमिलनाडु। इन राज्यों की वर्तमान में (वर्ष 2021-22) सकल राज्य घरेलू उत्पाद का स्तर, वर्तमान में वास्तविक वार्षिक विकास दर एवं आगे आने वाले समय में आवश्यक विकास दर की स्थिति पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इनमें से कुछ राज्यों को अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करने होंगे।

उत्तर प्रदेश राज्य ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 22 करोड़ है, अतः राज्य में आर्थिक विकास के साथ उत्पादों की भारी भरकम मांग उत्पन्न की जा सकती है एवं उत्तर प्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था खपत आधारित अर्थव्यवस्था बन सकती है। इससे उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। हालांकि हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य विकास के पथ पर चल पड़ा है। राज्य के पश्चिमी एवं पूर्वी इलाकों में सड़क मार्ग की उपलब्धता में अतुलनीय सुधार किया जा रहा है। नए नए सड़क मार्ग के कोरिडोर एवं एक्स्प्रेस रास्तों का निर्माण किया जा रहा है। आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण हो रहा है। इन समस्त सुविधाओं के बढ़ने से उत्तर प्रदेश राज्य में भारी भरकम निवेश आकर्षित हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से अन्य राज्यों की ओर कम प्रस्थान कर रहे हैं। दिनांक 10 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश राज्य ने एक निवेश सम्मेलन 2023 का आयोजन किया था। इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में भारतीय कम्पनियों के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भी भाग लिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सम्मेलन में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश की राशि के प्रस्ताव प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। परंतु, आश्चर्यजनक रूप से इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में 33 लाख करोड़ रुपए के 18,643 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे उत्तर प्रदेश में 92.5 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य तो कुछ वर्ष पूर्व तक बीमारु राज्य की श्रेणी में शामिल था परंतु अब देश में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाले राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है। अतः अब उम्मीद की जा रही है कि उत्तर प्रदेश राज्य वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य ने भी अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 43,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 10 प्रतिशत रही है। अब आने वाले वर्षों में, वर्ष 2030 तक महाराष्ट्र राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को औसतन 12.5 प्रतिशत की दर से प्रतिवर्ष आगे बढ़ाना होगा। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वैसे भी महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास के मामले में भारत के अग्रणी राज्यों में रहा है। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। महाराष्ट्र राज्य ने भी 120,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किये हैं। निवेश के इन प्रस्तावों पर तेजी से कार्य चल रहा है। अतः महाराष्ट्र राज्य द्वारा वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया जाएगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

गुजरात राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में गुजरात राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 28,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब गुजरात राज्य को उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 16.1 प्रतिशत की विकास दर हासिल करनी होगी। यह विकास दर आसानी से हासिल की जा सकती है। गुजरात राज्य ने भी 163,000 करोड़ रुपए के राज्य में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किए हैं एवं इन प्रस्तावों के अंतर्गत राज्य में तेज गति से निवेश हो भी रहा है। गुजरात राज्य भारत के विकसित राज्यों में शामिल है एवं गुजरात में आर्थिक विकास की दर पिछले लम्बे समय से उत्साहजनक बनी हुई है। गुजरात के पास देश में सबसे बड़ी समुद्री सीमा है, जिससे अन्य देशों के साथ उत्पादों का आयात एवं निर्यात आसानी से हो सकता है। पूर्व के वर्षों में हासिल की गई आर्थिक विकास दर को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि गुजरात राज्य वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

कर्नाटक राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में कर्नाटक राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 24,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब कर्नाटक राज्य को वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 32 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा तभी कर्नाटक राज्य एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वर्ष 2027 तक बन सकेगा। कर्नाटक की राजधानी बंगलुरु को भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की राजधानी कहा जाता है एवं कर्नाटक में स्थापित इस क्षेत्र की कम्पनियों ने भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है। कर्नाटक को उक्त लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अति गम्भीर प्रयास करने होंगे।

तमिलनाडु राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में तमिलनाडु राज्य का सकल घरेलू राज्य उत्पाद 32,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 11 प्रतिशत की रही है। अब तमिलनाडु राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लिए प्रतिवर्ष औसतन 19 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा। यह कुछ कठिन लक्ष्य दिखाई देता है, परंतु तमिलनाडु राज्य में जिस गति से विदेशी निवेश हो रहा है और उत्पादों के निर्यात में हो रही उच्च वृद्धि दर के चलते उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास करने से उक्त लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है।

उक्त समस्त राज्यों में निगमित अभिशासन (कारपोरेट गवरनेंस) उच्च स्तरीय है, आधारभूत सुविधाओं का द्रुत गति से विस्तार हो रहा है, कानून व्यवस्था नियंत्रण में है, 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' के मामले में इन राज्यों की स्थिति में अतुलनीय सुधार हुआ है, केंद्र सरकार एवं उक्त समस्त राज्य सरकारों के आपस में सम्बंध बहुत सौहार्दपूर्ण हैं एवं सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट नमूना दिखाई दे रहा है, केंद्र सरकार के सहयोग से इन समस्त राज्यों के बीच अपने अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है जिसके चलते यह समस्त राज्य अपने अपने राज्यों में निवेश, विदेशी निवेश सहित, को आकर्षित करने के लिए, विशेष निवेश सम्मेलनों का आयोजन कर, अपने लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। लगातार हो रही नई औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के कारण इन राज्यों में रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। सस्ते एवं कुशल श्रमिकों की इन राज्यों सहित पूरे देश में पर्याप्त उपलब्धता है। इन राज्यों में स्थानीय स्तर पर शासन संचालन भी कुशल तरीके से चलाया जा रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि उक्त राज्य अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में यदि सफल होते हैं तो भारत को 5 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। और फिर, देश के कुछ राज्यों को तो विकास का इंजन बनना ही होगा।

संक्षिप्त समाचार

भारत को बांटने पर तुली विदेशी ताकतों से सतर्क रहने की आवश्यकता: त्रिवेंद्र रावत

बलिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मंगलवार को बुद्धिजीवियों को आगाह किया कि वे "देश को बांटने पर तुली अंतरराष्ट्रीय ताकतों" से सतर्क रहें। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने बलिया जिले के सिकंदरपुर में 'प्रबुद्ध वर्ग' सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि "अंतरराष्ट्रीय शक्तियां देश को तोड़ने का फिर प्रयास कर सकती हैं और लोगों को लालच देने की कोशिश कर सकती हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान देश में जातीय आधार पर नेतृत्व को उभारने के लिए एवं हिंदुत्व को कुचलने के लिए 'पेट्रो डॉलर' का सहारा लिया गया था। पेट्रोडॉलर प्रणाली किसी अन्य मुद्रा के बजाय अमेरिकी डॉलर के लिए तेल का आदान-प्रदान करने का वैश्विक चलन है। रावत ने कांग्रेस के दिवंगत नेता रहे एवं पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के साथ अपनी व्यक्तिगत बातचीत को उद्धृत करते हुए अपने आरोप को पुष्ट करने का प्रयास भी किया।

सरकारी कर्मियों को 25 वर्ष की सेवा पूरी करने पर मिलेगा पूर्ण पेंशन

जयपुर। राजस्थान सरकार के कर्मचारियों को अब 25 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत होने पर ही पूर्ण पेंशन का लाभ प्राप्त हो जाएगा। पहले यह सीमा 28 वर्ष की थी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मंगलवार रात राज्य मंत्रिमंडल की यहां हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक बयान के अनुसार मंत्रिमंडल ने राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इससे कर्मचारियों को 28 वर्ष की आवश्यक सेवा के स्थान पर 25 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत होने पर ही पूर्ण पेंशन का लाभ प्राप्त हो सकेगा। इसके अलावा, 75 वर्ष के पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर को 10 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता प्राप्त होगा। कर्मचारी या पेंशनर की मृत्यु की स्थिति में उनके विवाहित निःशक्त पुत्र/पुत्री तथा 12,500 रुपये प्रतिमाह तक की आय वाले पात्र सदस्यों को भी पारिवारिक पेंशन का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो गुटों में झड़प, फडणवीस बोले-औरंगजेब का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं

मुम्बई। महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में बुधवार को सोशल मीडिया पर एक विवादास्पद पोस्ट को लेकर दो गुटों के बीच झड़प के बाद सांप्रदायिक तनाव फैल गया। सोशल मीडिया पर एक विवादास्पद पोस्ट के विरोध में कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने कस्बे में बंद का आह्वान किया था। प्रदर्शन कर रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने के लिए एक अतिरिक्त पुलिस बल, एसआरपीएफ और आरएएफ टीमों को बुलाया गया है।

कोल्हापुर की घटना पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। मैं जनता से भी शांति और शांति की अपील करता हूं।

उन्होंने कहा कि पुलिस जांच चल रही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कोल्हापुर की घटना पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि औरंगजेब की तारीफ करने वालों के लिए महाराष्ट्र में कोई माफी नहीं है। पुलिस भी कार्रवाई कर रही है। साथ ही यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि लोग भी शांति बनाए रखें, कहीं कोई अप्रिय घटना न हो। उपमुख्यमंत्री ने गृह विभाग को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। फडणवीस ने कहा कि एक समुदाय विशेष के लोग औरंगजेब का महिमामंडन कर रहे हैं.. इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में एक साथ औरंगजेब का महिमामंडन हो रहा है... यह अचानक नहीं हो सकता। फडणवीस ने कहा, यह महज संयोग नहीं है। कोल्हापुर में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक स्टेटस लगाए जाने के विरोध में और युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर हिंदू संगठन ने छत्रपति शिवाजी चौक पर धरना प्रदर्शन किया। पुलिस ने लाठी चार्ज कर धरना दे रहे लोगों को सड़क से हटाया। खबरों के मुताबिक, मुगल शासक औरंगजेब का महिमामंडन करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट पर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। पोस्ट में लोगों को औरंगजेब और टीपू सुल्तान के पोस्टर के साथ जश्न मनाते हुए दिखाया गया है।

दो हफ्तों में पाकिस्तानी सेना के भीतर होगा विद्रोह

जनरल असीम मुनीर का किया जाएगा कोर्ट मार्शल पाकिस्तानी पत्रकार ने ये क्या दावा कर दिया?

कांराची। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के बीच अदावत वक्त के साथ लगातार तेज होती नजर आ रही है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान और सेना प्रमुख के बीच चल रहा ये टकराव पाकिस्तान के लिए अशुभ संकेत माना जा

रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार राजा रूमी ने कहा कि इमरान खान अब भी ये सोचते हैं कि फौज के अंदर से कोई बगावत या आवाज उठेगी और पूरा मामला सेट कर देगी। पत्रकार का कहना है कि पाकिस्तानी सेना में कई ऐसे अफसर हैं जो इमरान खान के मुरीद हैं। वहीं पाकिस्तान के एक पत्रकार ने इस बात का खुलासा करते हुए कहा कि इमरान खान को ये भ्रम कैसे हुआ कि सेना जनरल मुनीर के खिलाफ बगावत करेगी। उनका तो ये तक कहना है कि इमरान खान ने जनरल मुनीर के कोर्ट मार्शल की बात तक सोचने लगे हैं। एक वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार ने खुलासा किया है कि पूर्व पीएम इमरान खान को बताया गया है कि अगले दो हफ्तों में पाकिस्तानी सेना के भीतर विद्रोह होगा और जनरल असीम मुनीर का कोर्ट मार्शल किया जाएगा। पाकिस्तान में 9 मई को हुई हिंसा के बाद पत्रकार शफाकत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबियों ने उन्हें भरोसा दिलाया है।

यूकेः फोन हैकिंग मामले में गवाही के लिए अदालत में पेश हुए राजकुमार हैरी

लंदन। ब्रिटेन के राजकुमार हैरी मिरर ग्रुप न्यूजपेपर्स (एमजीएन) के पत्रकारों द्वारा कथित तौर पर गैर कानूनी तरीके से सूचना एकत्र करने और फोन हैकिंग के मामले में हाईकोर्ट में पेश हुए। इसके साथ ही वह बीते 100 साल से भी ज्यादा समय में किसी मुकदमे में गवाही के लिए अदालत के सामने पेश होने वाले शाही परिवार के पहले वरिष्ठ सदस्य बन गए हैं। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी (38) ने टैब्लॉइड अखबारों पर शाही परिवार के युवा सदस्य के रूप में उनके खिलाफ बीते वर्षों में "घृणा पैदा" करने, उन्हें "धोखेबाज", "मोटू" "कम उम्र का पियक्कड़" के रूप में पेश कर उनके जीवन को तबाह करने का आरोप लगाया। अदालत में अपनी गवाही में हैरी ने कहा, "मुझे वास्तव में लगता है कि मेरे हर रिश्ते में-चाहे वह दोस्तों के साथ हो, गर्लफ्रेंड के साथ हो, परिवार के साथ हो या सेना के साथ, हमेशा एक तीसरा पक्ष शामिल रहा है, यानी टैब्लॉइड प्रेस। उन्होंने कहा, "किशोरवय में मुझे यह महसूस हुआ कि मैं बहुत सारी सुर्खियों से घिरा हुआ था। वे मुझे निशाना बनाना चाहते थे। मुझे लगता है कि, अगर वे मेरे और

लोगों के बारे में इस तरह की बकवास चीजें छाप रहे थे और लोग विश्वास कर रहे थे, तो 'मैं भी बोलने का अपराध कर सकता हूं।" हैरी ने कहा कि उन्होंने अदालत का रुख करने का फैसला किया ताकि इन लोगों ने जो किया है उसके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा सके और वह "इसकी तह तक जाने के लिए दृढ़ संकल्पित" हैं। हैरी शाही परिवार से अलग होकर अपनी पत्नी मेघन मर्केल और दो बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने कहा है कि मिरर ग्रुप के अखबारों द्वारा प्रकाशित खबरों के कारण उनका निजी जीवन प्रभावित हुआ।

उनका आरोप है कि 'डेली मिरर', 'संडे मिरर' और 'संडे पीपल' ने 1996 और 2010 के बीच फोन हैकिंग, धोखे से जानकारी हासिल करने और निजी जांचकर्ताओं के इस्तेमाल सहित अन्य तरीकों से उनकी निजी जानकारी जुटाई थी। एमजीएन ने आरोपों को चुनौती देते हुए दलील दी है कि कुछ दावेदार जो प्रतिनिधि कानूनी कार्रवाई का हिस्सा हैं, उन्होंने अदालत में अपना मामला बहुत देर से लाया है। एमजीएन के वकीलों की इस सप्ताह हैरी से जिरह की संभावना है। इस बीच, शाही परिवार के वकील ने सोमवार को सुनवाई में कहा कि 'मिरर ग्रुप' के पत्रकारों ने हैरी की दिवंगत मां राजकुमारी डायना के ह्वाइस मेल संदेशों को सुना।

उच्चतम न्यायालय दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई को सहमत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार की उस याचिका पर सुनवाई बुधवार को नौ जून तक के लिए स्थगित कर दी, जिसमें उसने उसके द्वारा 'बाइक-टैक्सी एग्रीगेटर' रैपिडो को जारी किए गए नोटिस पर रोक लगाए जाने तथा उसे अंतिम नीति अधिसूचित होने तक सेवाएं जारी रखने देने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाशकालीन पीठ से 'उबर' (कार सेवा कंपनी) की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एन. के. कौल ने कहा कि उनका मामला भी समान प्रकृति का है, लेकिन उसे बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया। कौल ने कहा, "हमारे मामले में पारित आदेश के खिलाफ भी अपील की गई है।

मानसून के दौरान खुले मैनहोल की समस्या का कैसे होगा समाधान?

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बीएमसी से विशेष सेल का गठन को लेकर किए सवाल

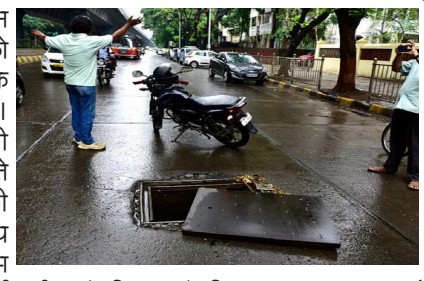

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को यह सूचित करने का निर्देश दिया कि क्या वह मानसून के दौरान खुले मैनहोल की समस्या को तुरंत दूर करने के लिए एक विशेष सेल का गठन करेगा। कोर्ट ने कहा कि आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन एम जामदार और न्यायमूर्ति संदीप वी मार्ने की खंडपीठ वकील रूजू ठक्कर द्वारा दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नागरिक अधिकारी फरवरी और अप्रैल 2018 के उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने में विफल रहे हैं, जिसमें गड्ढों की मरम्मत का निर्देश दिया गया था। मुंबई में सभी प्रमुख सड़कें और खराब सड़कों और गड्ढों से संबंधित नागरिकों की शिकायतों

के निवारण के लिए एक समान तंत्र तैयार करना। इस साल जनवरी में बीएमसी ने अपने आयुक्त इकबाल सिंह चहल के माध्यम से उच्च न्यायालय को बताया कि वह मैनहोल, उसके कक्षों और कवरों की जियो-टैगिंग का विकल्प तलाश रही है ताकि मैनहोल कवर चोरी होने की स्थिति में वार्ड अधिकारी त्वरित कार्रवाई कर सकें। उच्च न्यायालय की अवकाश पीठ ने 25 मई को बीएमसी को निर्देश दिया था कि वह शहर भर में सभी मैनहोलों को कवर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताए। यह याचिकाकर्ता द्वारा एक समाचार रिपोर्ट का हवाला देने के बाद आया था जिसमें दावा किया गया था कि बांद्रा (पश्चिम) में एक सड़क पर सुरक्षात्मक ग्रिल के बिना चार खुले मैनहोल थे और इसलिए, यह पैदल चलने वालों और वाहनों के लिए एक 'खुला जाल' बन गया था। ठक्कर ने बुधवार को कहा कि मैनहोल पर कोई सुरक्षात्मक ग्रिल नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सभी अनुपालन कागजों पर दिखाए गए लेकिन वास्तव में जमीन पर कुछ भी नहीं किया गया।

16 हजार मस्जिदों को तोड़ा, मुसलमानों को बनाया बंधक, अब वहीं की सैर कराने मुस्लिम देशों के प्रतिनिधियों को ले गया चीन

वाशिंगटन। चीन इस्लाम से जुड़ी सभी चीजों को धीरे-धीरे करके मिटा रहा है। चीनी सरकार ने अभियान छेड़ा हुआ है कि वो देश की सभी मस्जिदों पर मेड इन चाइना छाप छोड़ देगा।

मतलब साफ है कि या तो वो मस्जिदों को पूरी तरह तोड़ देगा या फिर उसकी बनावट को ही बदल देगा। चीन में मुसलमान और सरकार आमने-सामने हैं। कुछ दिनों पहले की ही बात है जब एक मस्जिद के पुनर्निमाण के दौरान पुलिस और लोगों के बीच झड़प की तस्वीरें भी सामने आई थी। लेकिन चीन की करतूतों पर मुस्लिम देशों ने आंखे मूंद रखी हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले कुछ सालों में चीन है। ऐसा लगता है जैसे चीन ने मुसलमानों का सौदा कर लिया है। लेकिन अब चीन ने जो मुस्लिम देशों के साथ किया है उसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इस पूरे बवाल के बीच चीन अचानक मुस्लिम देशों को ही उसी जगह पर लेकर वहां पहुंच गया जहां वो मुसलमानों पर सबसे ज्यादा अत्याचार कर रहा है। चीन मुस्लिम देशों के एक बड़े संगठन को उसी इलाके में लेकर पहुंचा है जहां चीन की सरकार ने 16 हजार मस्जिदों को तोड़ दिया और मुसलमानों को बंधक बना लिया।

आपको बता दें की चीन अरब लीग के लोगों को शिनजियांग लेकर पहुंचा है। शिनजियांग उईगर मुस्लिमों का इलाका है। चीन अरब लीग के डेलीगेट्स और अधिकारियों को शिनजियांग की सैर कराने लेकर गया है। अरब लीग में 22 देश शामिल हैं। चीन अरब और अफ्रीकी देशों के इस संगठन को दिखाना चाहता है कि शिनजियांग में सबकुछ ठीक ठाक चल रहा है। ने युन्नान और शिनजियांग के इलाकों में 16 हजार मस्जिदों को तोड़ दिया है। आप ये सोचते होंगे की चीन मुसलमानों पर अत्याचार करता है लेकिन कोई भी मुस्लिम देश इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाता

'बिपरजॉय' में तब्दील हुआ अरब सागर के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र: आईएमडी

नयी दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिणपूर्व अरब सागर के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र मंगलवार शाम चक्रवाती तूफान बिपरजॉय में तब्दील हो गया। बिपरजॉय नाम बांग्लादेश द्वारा दिया गया है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा, "दक्षिण-पूर्व और आसपास के पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र चार किलोमीटर प्रतिघंटे की गति के साथ लगभग उत्तर की ओर बढ़ा और एक चक्रवाती तूफान बिपरजॉय में तब्दील हो गया। शाम साढ़े पांच बजे यह गोवा से लगभग 920 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, मुंबई से 1050 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम, पोरबंदर से 1130 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और कराची से 1430 किलोमीटर दक्षिण में स्थित था।

ढाई साल की सृष्टि कुशवाहा बोरेवेल में लड़ रही जिंदगी की जंग

ड्रिल मशीन की कंपन से 20 फीट और गहराई में चली गयी

नई दिल्ली (एजेंसी)।इस समय ढाई साल की बच्ची सृष्टि कुशवाहा को बचाने के लिए पूरा देश प्रार्थना कर रहा है। सृष्टि कुशवाहा गलती से बोरवेल में गिर गयी। जब बच्ची बोलेवेल में गिरी थी तब उसकी गहराई 30 फीट थी लेकिन अब बच्ची 20 फीट और नीचे चली गयी है। बचाव कार्य जारी है लेकिन गहराई बढ़ जाते के कारण बच्ची की जान बचाने के लिए रणनीति बदल दी गयी है। बोरवेल में गिरी ढाई साल की बच्ची को बचाने के लिए ड्रिलिंग प्रक्रिया को फिलहाल रोक दिया गया है। मंगलवार दोपहर को हुई इस घटना के बाद से पिछले 20 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। सृष्टि कुशवाहा के रूप में पहचानी जाने वाली बच्ची बोरवेल में 20 फीट और गहराई तक चली गई है। वह खेत में खेलते वक्त बोरवेल में गिर गयी थी। अधिकारियों ने कहा कि वह अब इसमें करीब 50 फुट पर फंस गई है। सीहोर के पुलिस अधीक्षक

(एसपी) मयंक अवस्थी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बोरवेल के आसपास ड्रिलिंग मुश्किल हो गई है। उन्होंने कहा, 'खुदाई के कंपन के कारण बच्चा और नीचे डूब रहा है। जैसे-जैसे ड्रिलिंग चल रही है, बच्चा और डूब रहा है। इसलिए हमने ड्रिलिंग प्रक्रिया को फिलहाल रोकने का फैसला किया है।' एसपी ने आगे बताया कि कल (6 जून) रात से बच्ची में कोई हलचल नहीं दिख रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में जेसीबी मशीनों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इस बीच, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, जो सीहोर जिले के हैं, ने घटना का संज्ञान लिया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि लड़की को सुरक्षित बाहर निकाला जाए। उन्होंने मंगलवार को ट्विटर पर लिखा, "सीहोर के मुंगावली गांव में मासूम बेटी के बोरवेल में गिरने की दुखद सूचना मिली, एसडीआरएफ की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बेटी को बोरवेल से निकालने का अभियान शुरू किया।" मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'मैंने स्थानीय प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। मैं प्रशासन के साथ भी लगातार संपर्क में हूं। रेस्क्यू टीम बच्ची को सुरक्षित बचाने की कोशिश कर रही है। मैं बेटी की सलामती की कामना करता हूं।'

अरब सागर में बनें तूफान ने लिया गंभीर रूप, भारत के मानसून की प्रगति को किया प्रभावित, देर से बारिश की संभावना!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (घ्छ) ने बुधवार को कहा कि चक्रवात 'बिपारजॉय' पिछले 6 घंटों में 2 किमी प्रति घंटे की गति के साथ लगभग उत्तर की ओर बढ़ने के साथ एक बहुत ही भयंकर तूफान में बदल गया। अरब सागर में इस साल उठने वाला पहला चक्रवाती तूफान 'बिपोरजॉय' तेजी से गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने इससे केरल में मानसून की 'धीमी' शुरुआत होने और दक्षिणी प्रायद्वीप के आगे 'कमजोर' प्रगति करने का पूर्वानुमान लगाया है। बुधवार को सुबह 9:00 बजे (आईएसटी) अपडेट किए गए अपने नवीनतम बुलेटिन में आईएमडी ने कहा कि अगले 24 घंटों में चक्रवात के अपनी तीव्रता को बनाए रखते हुए लगभग उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके बाद अगले 3 दिनों में यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर में चक्रवाती तूफान 'बिपोरजॉय' पिछले छह घंटे में दो किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की तरफ बढ़ा और एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया। यह सुबह करीब साढ़े पांच बजे गोवा से करीब 890 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में, मुंबई से

1,000 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में, पोरबंदर से 1,070 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में और कराची से 1,370 किलोमीटर दक्षिण में उसी स्थान पर केंद्रित रहा। पूर्वानुमान एजेंसियों के मुताबिक, तूफान "तेजी से उग्र रूप अख्तियार कर रहा है। आईएमडी ने मंगलवार को कहा था कि चक्रवात से मानसून की प्रगति प्रभावित होने की संभावना है। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी 'स्काइमेट वेदर' ने बताया कि केरल में मानसून आठ या नौ जून को दस्तक दे सकता है। इस दौरान, हल्की बारिश होने की संभावना है। उसने कहा, "अरब सागर में ऐसी शक्तिशाली मौसम प्रणालियां अंदरूनी क्षेत्रों में मानसून के आगमन को प्रभावित करती हैं। चक्रवात के प्रभाव में मानसून तटीय हिस्सों में धीमी गति से पहुंच सकता है, लेकिन इसे पश्चिम घाटों से आगे जाने में संघर्ष करना पड़ेगा।" दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर एक जून को केरल में दस्तक देता है। इसके आगमन के समय में सात दिन का अंतर हो सकता है।

मई के मध्य में आईएमडी ने कहा था कि मानसून चार जून तक केरल पहुंच सकता है। स्काइमेट ने पहले मानसून के सात जून को केरल में दस्तक देने का पूर्वानुमान लगाते हुए कहा था कि यह तीन दिन पहले या बाद में वहां पहुंच सकता है। दक्षिण-पूर्वी मानसून ने पिछले साल 29 मई को, 2021 में तीन जून को, 2020 में एक जून को, 2019 में आठ जून को और 2018 में 29 मई को केरल में दस्तक दी थी। आईएमडी ने पहले कहा था कि अल-नीनो की स्थिति विकसित होने के बावजूद दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में भारत में सामान्य बारिश होने की संभावना है।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईएमडी ने मछुआरों को 10 जून तक समुद्र में न जाने की चेतावनी जारी की है। वर्तमान में समुद्र में मौजूद मछुआरों को तट पर लौटने की सलाह दी गई है। आईएमडी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी निर्देशों में यह सलाह दी गई है कि मछुआरे 7 से 9 जून तक दक्षिण अरब सागर के मध्य और आसपास के क्षेत्रों में और 10 जून को उत्तर और दक्षिण अरब सागर के मध्य और आसपास के क्षेत्रों में जाने से बचें। केरल-कर्नाटक तटों के साथ-साथ लक्षद्वीप-मालदीव क्षेत्रों के साथ-साथ मछुआरों को 6 और 7 जून को सतर्क रहना चाहिए, जबकि कोंकण-गोवा-महाराष्ट्र के तटों के साथ-साथ 8 जून से 10 जून तक सतर्क रहना चाहिए।

मुंबई दंगों के दौरान सुनील दत्त के साथ सड़क पर गुजारी थी रात : आमिर खान

मुम्बई। आमिर खान ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील दत्त को याद करते हुए बताया कि वर्ष 1993 के मुंबई दंगों के दौरान उन्होंने दत्त साहब के साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे एक रात बितायी थी। आमिर ने कहा कि वह सुनील दत्त से मिले थे और उन्होंने गरिमापूर्ण और सम्मानित व्यक्ति के तौर पर दिवंगत अभिनेता को याद किया। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने मुंबई दंगों के दौरान सुनील दत्त और फिल्म इंडस्ट्री के तीन अन्य दिग्गजों के साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे रात बितायी थी। आमिर ने कहा, जब 1993 में मुंबई दंगे हुए तो फिल्म इंडस्ट्री ने यह कहते हुए मुख्यमंत्री के पास एक प्रतिनिधिमंडल भेजा कि सेना बुलाओ और दंगों को रोकने के लिए जो भी करना पड़े वह करो। करीब 30 से 40 लोग मुख्यमंत्री कार्यालय गए। हमने तय किया कि हम मंत्रालय के समीप महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप बैठेंगे और दंगों को रोकने के लिए खुले में प्रदर्शन करेंगे तथा जब तक हिंसा रुक नहीं जाती तब तक हम नहीं उठेंगे। हम मुड़ गए। मैं, दत्त

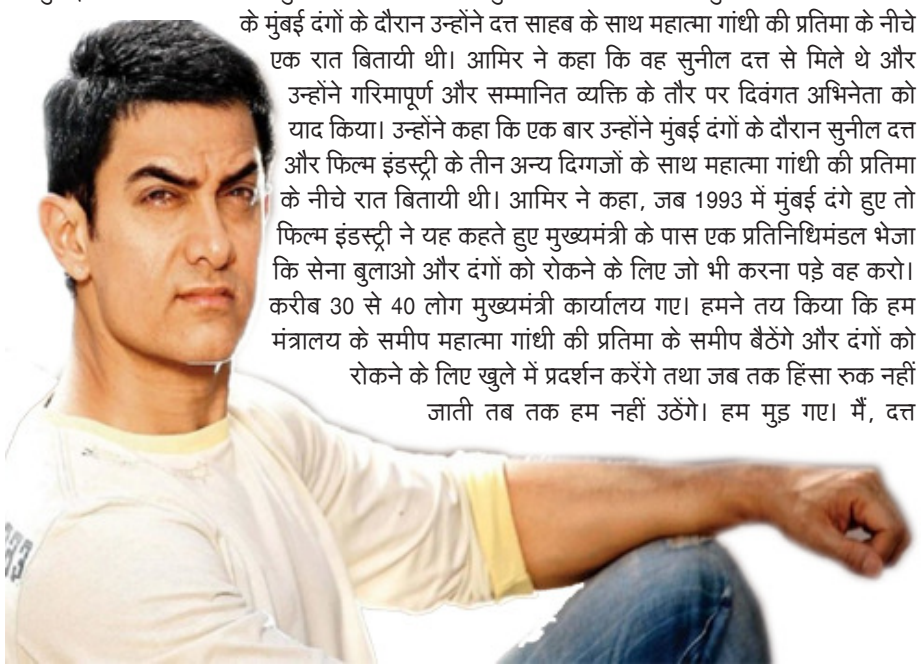

साहब, यश चोपड़ा जी, जॉनी वाकर और एक प्रोड्यूसर समेत पांच लोग प्रदर्शन की पहली रात वहां थे। दिग्गजों के साथ बिताये वक्त को यादगार बताते हुए दंगल अभिनेता ने कहा कि सभी ने अपने कॅरियर की कहानियां सुनाते हुए रात गुजारी। हिंदी सिनेमा में 30 साल पूरे करने वाले अभिनेता ने कहा, मैं दत्त साहब, यश जी और जॉनी वाकर के करियर की कहानियां सुन रहा था। वह शानदार वक्त था। प्रतिमा के नीचे मेरे लिए वह यादगार रात थी। अगली शाम मुख्यमंत्री ने कुछ कार्रवाई की और चीजें सामान्य हो गई। आमिर अपनी अगली फिल्म थग्स ऑफ हिंदुस्तान में व्यस्त हैं जो दिसंबर में रिलीज होगी। गुलशन कुमार की बायोपिक मोगुल में पहले अक्षय कुमार को मुख्य भूमिका निभानी थी लेकिन उनके फिल्म छोड़ने के बाद आमिर यह भूमिका निभा सकते हैं।

कैटरीना कैफ के गाने पर मदहोश होकर डांस करना विक्की कौशल को पड़ने वाला था भारी!

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म में अभिनेता के साथ अभिनेत्री सारा अली खान मुख्य भूमिका में अभिनय करती दिखेंगी। दोनों जोरो-शोरो से अपनी आगामी फिल्म का प्रचार करते नजर आ रहे हैं।

बीती रात विक्की और सारा ने साथ में अबू धाबी में आयोजित हुए आईफा अवार्ड्स में शिरकत की। आईफा के ग्रीन कार्पेट पर दोनों ड्रामा क्वीन राखी सावंत के साथ डांस करते नजर आए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। तीनों किसी ओर के नहीं बल्कि कैटरीना कैफ के ब्लॉकबस्टर गाने 'शीला की जवानी' पर ठुमकते नजर आ रहे हैं। इस बीच डांस करते करते विक्की का पैर राखी की ड्रेस में फंस जाता है और वो गिरते-गिरते बचते हैं और फिर राखी की तरफ देखकर हंसने लगते हैं। राखी और विक्की का ये वीडियो काफी फनी है, जो अब वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोग कमेंट सेक्शन में हंसने वाले इमोजी पोस्ट कर रहे हैं।

अपने अभिनय से बॉलीवुड में अलग पहचान बनाई जूही चावला

मुम्बई। खूबसूरत, चुलबली और जुदा अंदाज वाली जूही चावला का जन्म 13 नवंबर को 1967 को पंजाब के अंबाला में हुआ। बढ़ती उम्र के साथ जूही की खूबसूरती कम नहीं हुई है, बल्कि वह और निखरती जा रही हैं। 1984 में मिस इंडिया का खिताब पाने वाली जूही आज अभिनेत्री से लेकर फिल्म निर्माता तक का सफर तय कर चुकी हैं। करियर ही नहीं, बल्कि जूही पारिवारिक जिंदगी को भी पूरे लुत्फ के साथ जी रही हैं।

जूही ने कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही फेमिना मिस इंडिया के लिए फॉर्म भरा और उन्होंने ही यह खिताब जीता। एक साक्षात्कार में जूही ने मिस इंडिया बनने का अपना किस्सा सुनाते हुए बताया कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं मिस इंडिया प्रतियोगिता जीतूंगी, वहां मुझसे ज़्यादा खूबसूरत लड़कियां थीं। जूही मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के लिए भी गईं। वह जूही की पहली विदेश यात्रा थी। दुनिया भर की खूबसूरत और आकर्षक महिलाओं के बीच खुद को बेकार महसूस कर रही जूही ने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में बेस्ट नेशनल कॉस्ट्यूम का पुरस्कार जीता।

उसके बाद जूही का पर्दे का सफर शुरू हुआ, जूही ने मल्टीस्टारर फिल्म सल्तनत से अपना फिल्मी सफर शुरू किया। 1988 में आमिर खान के साथ आई जूही की फिल्म कयामत से कयामत तक ने बड़े पर्दे पर सफलता हासिल की और रातों रात जूही की गिनती उस समय की हिंदी सिनेमा पर राज करने वाली श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर की श्रृंखलाओं में की जाने लगी। इस फिल्म को फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का

खिताब मिला और जूही को फिल्म के लिए बेस्ट न्यूफेस का पुरस्कार मिला। जूही ने मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। 1990 का दशक जूही के लिए काफी अच्छा रहा इस दशक में 1990 में प्रतिबंध और स्वर्ग, 1992 में बोल राधा बोल और राजू बन गया जेंटलमैन जैसी हिट फिल्में दीं। वर्ष 1993 जूही के नाम रहा इस वर्ष जूही की सन्नी देओल के साथ में आई लुटेरे जैकी श्रॉफ के साथ यश चोपड़ा की आईना, शाहरुख खान के साथ महेश भट्ट की रोमांटिक कॉमेडी हम हैं राही प्यार के और शाहरुख खान और सन्नी देओल के साथ यश चोपड़ा की डर बॉक्स आफिस पर हिट रहीं। 1994 में साजन का घर, 1997 में यशबॉस और इश्क, 1999 में अर्जुन पंडित जैसी फिल्में सफल रहीं। इतनी सफल फिल्में करने के बावजूद जूही को करियर में दिल तो पागल है, राजा हिंदुस्तानी फिल्मों से इंकार करने का पछतावा है। जूही की विज्ञापनों में भी खास उपस्थिति रही उन्होंने डाबर आंवला केश तेल, डाबर आशोकारिष्ट, किसान केचअप, कीलॉग्ज चॉकोज जैसे उत्पादों के विज्ञापन किए। जूही का कुरकुरे के विज्ञापन काफी पसंद किए गए, जिनमें वह कई नए अवतारों में नजर आई थीं। जूही ने 1995 में व्यवसायी जय मेहता से शादी की। दोनों के दो बच्चे जाह्वी मेहता और अर्जुन मेहता हैं। जूही फिल्मों, विज्ञापनों, सामाजिक कार्यों, फैशन शो में सक्रिय रहते हुए अपने परिवार के साथ जिंदगी का पूरा लुत्फ उठा रही हैं। वर्ष 1999 में जूही चावला ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख दिया और शाहरुख खान के साथ मिलकर ड्रीम्स अनलिमिटेड बैनर की स्थापना की। इस बैनर के तहत सबसे पहले फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, अशोका, चलते चलते जैसी फिल्मों का निर्माण किया। जूही चावला के सिने करियर में उनकी जोड़ी आमिर खान के साथ काफी पसंद की गयी। जूही चावला ने हिंदी फिल्मों के अलावे पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय किया है। शहीद उधम सिंह, देश होया परदेस और वारिस साह जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने कन्नड़, मलयालम, तमिल फिल्मों में भी अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को दीवाना बनाया। जूही चावला ने अपने सिने करियर में लगभग 80 फिल्मों में अभिनय किया है।

आज अपना 53वां बर्थडे मना रहे हैं आर माधवन

मुम्बई। तमिल और हिंदी सिनेमा को अभिनेता आर माधवन ने कई हिट फिल्में दी हैं। आर माधवन की गिनती मंझे हुए अभिनेताओं में की जाती है। बता दें कि आज ही दिन यानी की 1 जून को अभिनेता आर माधवन का जन्म हुआ था। आज वह अपना 53वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। एक्टर ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। वहीं आर माधवन की फिल्म 'थ्री इडियट्स' में फरहान का किरदार दर्शकों को आज भी याद है। आपको बता दें कि एक्टर का पूरा नाम रंगनाथन माधवन हैं। आइए जानते हैं एक्टर के जन्मदिन के मौके पर आर माधवन के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षाः झारखण्ड के जमदेशपुर में 1 जून 1970 को आर माधवन का जन्म हुआ था। एक्टर के पिता रंगनाथन टाटा स्टील में कर्मचारी थे। वहीं उनकी मां सरोज बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर थीं। माधवन का जन्म एक तमिल ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह शुरूआत से पढ़ाई में काफी अच्छे थे। बता दें कि वह एक समर्पित एनसीसी कैडेट थे, जो सेना में भर्ती होने का सपना देखते थे। लेकिन उनकी डेस्टिनी उन्हें कहीं और ही ले जाना चाहती थी। साल 1988 में माधवन के स्कूल को बतौर कल्चरल एम्बैसडर के तौर पर कनाडा में रिप्रेजेंट करने का मौक मिल था। वहीं उन्हें महाराष्ट्र बेस्ट कैडेड से नवाजा जा चुका है। हालांकि जब सेना में भर्ती होने का सपना पूरा होने का समय आया तो उनकी उम्र 6 महीने कम निकली। जिसके बाद आर माधवन ने अपना रुख पब्लिक स्पीकिंग की ओर बढ़ाया।

फिल्मी करियरः साल 1997 में माधवन ने अपने करियर की शुरुआत एक चन्दन के टीवी कमर्शियल ऐड से की थी। इसके बाद एक्टर ने फिल्म मणिरत्नम में स्क्रीन टेस्ट दिया। लेकिन बाद में उन्हें इस फिल्म से निकाल दिया गया। जिसके बाद उन्होंने टीवी इंडस्ट्री का रुख किया और कई शो का हिस्सा बनें। टीवी इंडस्ट्री में माधवन ने अपनी पहचान बताई। इसी बीच साल 1998 में उन्हें एक इंग्लिश फिल्म इंफर्नों में इंडियन पुलिस ऑफिसर का रोल ऑफर किया गया। लेकिन इस दौरान भी माधवन को बड़े पर्दे पर कोई खास पहचान नहीं मिली। इसके बाद एक्टर ने साउथ इंडस्ट्री का रुख किया और कई फिल्मों में काम किया। अभिनेता को साउथ फिल्म फेयर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

हिंदी सिनेमा में अभी भी आर माधवन का पहचान बनाना बाकी थी। यह पहचान उन्हें फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से मिली। इस फिल्म में आर माधवन की को-स्टार अभिनेत्री दिया मिर्जा थीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और दर्शकों को माधवन का अभिनय भी पसंद आया। इस फिल्म के बाद आर माधवन ने बैक-टू-बैक कई फिल्मों में काम किया। फिर वह अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ फिल्म गुरु में नजर आए। इस फिल्म में एक्टर के अभिनय को काफी सराहा गया और यह फिल्म भी हिट रही।

साल 2010 में राजू हिरानी निर्देशित फिल्म 3 इडियट्स में आर माधवन 'फरहान' के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म ने बंपर कमाई की थी। बता दें कि इस फिल्म में आर माधवन के अलावा आमिर खान, करीना कपूर, शरमन जोशी मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद साल 2011 में आर माधवन ने फिल्म 'तनु वेड्स मनु' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनकी को-स्टार कंगना रणावत थीं। इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला और यह फिल्म भी हिट रही। इसके बाद वह और कंगना फिल्म 'तनु वेड्स मनु रिटर्न' ने भी खूब धूम मचाई।

लता मंगेशकर के जन्मदिन के मौके पर पेश हैं उनके 5 सबसे सुपरहिट गानें

नयी दिल्ली। अपनी मधुर आवाज से पिछले कई दशक से संगीत के खजाने में हर दिन नये मोती भरने वाली लता मंगेशकर 28 सितंबर 1929 को इंदौर में मशहूर संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर के यहां पैदा हुई थीं। लता ने अपनी आवाज और अपनी सुर साधना से बहुत छोटी उम्र में ही गायन में महारत हासिल की और विभिन्न भाषाओं में गीत गाए। चाहे फिल्मी गानें हो या देशभक्ति के गानें लता मंगेशकर ने हमेशा अपने गानों से लोगों का दिल खुश कर दिया है। 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गाना देशभक्ति का यह गाना आज भी जब लोगों के कानों में सुनाई पड़ता है तो हर भारतीय के आखें नम हो जाती है। लता मंगेशकर का यह गाना हर किसी के अदंर जोश पैदा कर देता है। आइये आज उनके जन्मदिन पर हम आपको बताते हैं लता मंगेशकर के 5 सबसे सुपरहिट गानेष्ठ1-**फिल्म- 'वो कौन थी' से गाना 'लग जा गले':** 1964 में रिलीज हुई फिल्म वो कौन थी का गाना 'लग जा गले' आज भी सबके जुबान पर रहता है। यह गाना राजा मेहंदी ने लिखा और मदन मोहन ने इस गीत को तैयार किया था। लता मंगेशकर का यह गीत सच में आज भी वैसी ही ताजगी के साथ हर कोई गुनगुनाता हुआ मिल ही जाएगा। **2- फिल्म- 'बहारों के सपने' से गाना 'क्या जानूं साजन':** राजेश खनन और आशा पारेख पर फिल्माया गाना क्या जानूं साजन बहुत ही सुरीला गीत है और 1967 में यह फिल्म सुपरहिट थी। इस फिल्म के गीतकार-संगीतकार मजरूह सुल्तानपुरी और आरडी बर्मन थे। **3- फिल्म- 'शोर' से गाना 'एक प्यार का नगमा है':** 'एक प्यार का नगमा है, मोजो की रवानी है जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी-मेरी कहानी है' यह गाना आज भी सबके जुबान पर रहता होगा।

शादीशुदा हीरोइनें क्यों मंजूर नहीं?

मुम्बई। हिंदी फिल्मों में 40 और 50 साल पार कर चुके हीरो को अपने से आधी उम्र की लडकियों के साथ रोमांस करते तो बखूबी स्वीकार कर लिया जाता है, लेकिन उम्रदराज हीरोइनों से कैसा गुरेज? प्रियंका चोपडा बॉलीवुड के इसी चलन से नाराज हैं और इसमें बदलाव भी चाहती हैं। लेकिन इसके लिए वह भारतीय दर्शकों की 'मानसिकता' को भी जिम्मेदार ठहराती हैं। पिछला काफी समय बॉक्स ऑफिस के लिहाज से प्रियंका के लिए अच्छा रहा। उनकी फिल्म 'गुंडे' हिट रही तो 'मैरी कॉम' में उनके अभिनय की सराहना हुई। इसके साथ ही इस फिल्म ने अच्छा कारोबार भी किया। प्रियंका ने कहा, 'हमें ऐसी फिल्में स्वीकार करनी होगी जिसमें 30 या 40 पार हीरोइन भी रोमांस करे। शादीशुदा अभिनेत्रियों को स्वीकारना होगा। इसके अलावा अभिनेत्रियों को भी बदलते समय के हिसाब से अपने रोल चुनने चाहिए। लेकिन प्रियंका यह भी मानती हैं कि स्टार पावर के मामले में हीरोइनें, हीरो से खासी पीछे हैं। वह कहती हैं, 'बॉक्स ऑफिस पर हीरो की तुलना में हीरोइन को फिल्म चलाने में ज्यादा दिक्कत होती है। टॉप हीरो की फिल्में सप्ताहांत में ही 100 करोड रुपये बना लेती हैं, जबकि महिला प्रधान फिल्मों को लंबे समय तक हर क्षेत्र में प्रदर्शित करना पडता है, तब कहीं जाकर अच्छे नतीजे मिलते हैं।'

हिन्दी फ़िल्मों की एक प्रसिद्ध अभिनेत्री परवीन

मुम्बई। परवीन बाबी का जन्म 4 अप्रैल 1949 को हुआ था. वह हिन्दी फ़िल्मों की एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री थीं। परवीन बाबी ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए जानी जाती थीं। 1970-80 के दशक में सिल्वर स्क्रीन पर अपनी सुन्दरता का जलवा बिखरने वाली परवीन बाबी की ज़्यादातर फ़िल्में सुपर हिट रहीं हैं। जूनागढ़, गुजरात में पैदा हुई परवीन बाबी अपने माता-पिता की शादी के चौदह साल बाद पैदा हुई थीं और यह इकलौती संतान थीं। उन्होंने अपने पिता को सात साल की उम्र में ही खो दिया था। परवीन बाबी ने औरंगाबाद में अपनी प्रारम्भिक स्कूली शिक्षा की और उसके बाद सेंट जोवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद से शिक्षा ग्रहण की। उनके पिता वली मोहम्मद बाबी, जूनागढ़ के नवाब के साथ प्रशासक थे। 1972 में परवीन के मॉडलिंग करियर की शुरुआत हुई। उम्र की पाँच दशक पार कर इस दुनिया से विदा लेने वाली परवीन का फ़िल्मी करियर 1973 में /चरित्र/ से शुरू हुआ था। इसके बाद आई- चरित्रहीन, जिसमें सलीम दुर्रानी की प्रमुख भूमिका थी। बहरहाल जिस फ़िल्म ने उन्हें प्रसिद्धि के प्रकाश वृत्त में ला खड़ा किया वह थी, दीवार। परवीन की अदाकारी की श्रेष्ठता के लिए केवल इतना कहना ही काफ़ी है कि उन्हें क़रीब 10 फ़िल्मों में कला के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इनमें मज़बूर, दीवार, अमर अकबर एंथनी,

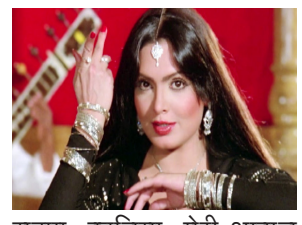

सुहाग, कालिया, मेरी आवाज़ सुनो, नमक हलाल, अशांति, खुद्दार, रंग बिरंगी आदि शामिल हैं। बहरहाल ये तो चंद फ़िल्मों के नाम हैं। परवीन की अन्य फ़िल्में भी कुछ कम नहीं हैं और कुछ में तो उन पर फ़िल्माए गए एक गाने ने ही धूम मचा दी। अमिताभ बच्चन के साथ परवीन ने क़रीब आठ फ़िल्मों में काम किया और दर्शकों ने उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया। परवीन ने कभी शादी नहीं की। लेकिन उनका कई विवाहित पुरुषो के साथ संबंध था। जैसे निर्देशक महेश भट्ट, अभिनेता कबीर बेदी और डैनी डेनजोगपा। उनके और अमिताभ बच्चन के बीच चक्कर चलने की अफवाहें भी थीं। वह बाद मे अमिताभ के ऊपर आरोप लगाईं कि उन्होंने मारने की कोशिश की है, लेकिन इसके कुछ साल के बाद यह पता चला कि यह उनका वहम था। भट्ट बाद में बॉबी और उनके बीच के रिश्ते पर आधारित एक अर्थ-आत्मकथात्मक फिल्म अर्थ (1982) बनाई, जिसके लेखक और निर्देशक भी वही थे। उन्होंने उनके और परवीन बॉबी के बीच के रिश्ते के तथ्यो पर आधारित एक और फिल्म वह लम्हे (2006) बनाई, जिसके लेखक और निर्देशक भी वही थे। एक व्हील चेयर, दो जोड़ी कपड़े, कुछ दवाइयां, चंद पेंटिंग्स और कैनवास ही परवीन के अंतिम दिनों के साथी थे। बताया जाता है कि परवीन डायबिटीज़ और पैर की बीमारी गैंगरीन से पीड़ित थीं जिसकी वजह से उनकी किडनी और शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। परवीन बाबी का निधन 20 जनवरी, 2005 को मुम्बई में हुआ था।

नितीश भारद्वाज ने महाभारत में श्रीकृष्ण के किरदार को कर दिया था जीवंत, लोग भगवान समझकर करते थे पूजा

मुम्बई।नितीश भारद्वाज सिने जगत का एक ऐसा नाम हैं, जिनका नाम सुनते ही लोगों के मन में उनकी भगवान श्रीकृष्ण वाली छवि उभर आती है। नितीश भारद्वाज ने आइकॉनिक पौराणिक शो 'महाभारत' को अपने अभिनय से ऐसा जीवंत किया कि लोग उनको अपने घरों में पूजने लगे थे। टीवी शो महाभारत से नितीश भारद्वाज को काफी लोकप्रियता मिली। बता दें कि भगवान श्रीकृष्ण के रोल को जीवंत बनाने वाले अभिनेता नितीश भारद्वाज का आज ही के दिन यानी की 2 जून को जन्म हुआ था। आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर नितीश भारद्वाज के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और परिवारः** महाराष्ट्र के मुंबई शहर में 2 जून 1963 को नितीश भारद्वाज का जन्म हुआ था। नितीश के पिता जनार्दन सी उपाध्याय मुंबई हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और वयोवृद्ध श्रमिक वकील थे। उनकी माता साधना उपाध्याय मुंबई के कॉलेज में मराठी साहित्य की प्रमुख थी। **करियरः** साल 1988 में नितीश भारद्वाज ने अपना टेलीविजन

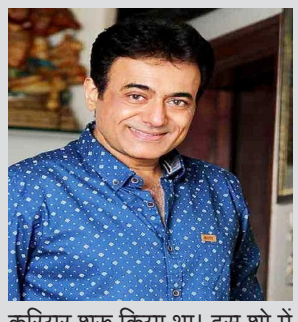

करियर शुरू किया था। इस शो में नितीश भारद्वाज ने भगवान श्रीकृष्ण के किरदार को जीवंत कर दिया था। उस दौरान महाभारत सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला शो बन गया था और लोग नितीश भारद्वाज को भगवान समझ कर पूजने लगे थे। इसके बाद नितीश भारद्वाज ने टीवी सीरियल विष्णु पुराण, रामायण और गीता रहस्य में भी काम किया है। **फिल्मी करियरः** टीवी सीरियल की वजह से नितीश भारद्वाज काफी चर्चाओं में रहने वाले एक्टर थे। साल 1988 में ही नितीश भारद्वाज ने फिल्म त्रिशगणि से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद फिल्म इंडस्ट्री की सबसे मशहूर अदाकार माधुरी दीक्षित के साथ नितीश ने साल 1992 में फिल्म संगीत में काम किया। अपने फिल्मी करियर में नितीश भारद्वाज को कई फेमस एक्टर और एक्ट्रेसेस के साथ काम करने का मौका मिला। वर्तमान में वह जाने-माने फिल्म अभिनेता, निर्देशक तथा प्रसिद्ध फिल्म निर्माता है। **राजनीतिक करियरः** महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले एक्टर नितीश भारद्वाज बीजेपी के प्रमुख नेता रह चुके हैं।

प्रभास के बाद महेश बाबू ने पाया यह मुकाम साउथ सुपरस्टार के फैंस को मिला सरप्राइज

नई दिल्ली। महेश बाबू के फैंस के लिए कल एक बड़ा सरप्राइज मिला है। क्या आप जानते है कि साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू अब सिंगापुर में बसने वाले है, चौंक गए न! जी हां महेश बाबू अब सिंगापुर के फैंस के लिए हर पल मौजूद रहने वाले है। क्योंकि सिंगापुर के मैडम तुसाद संग्रहालय में अब महेश बाबू के वैक्स स्टैचु की एंट्री हो चुकी है और यह मुकाम हासिल करने वाले महेश साउथ इंडस्ट्री के दूसरे हीरो बन चुके है। इसके पहले सिर्फ 'बाहुबली' फेम प्रभाष ने यह दर्जा पाया था। सिंगापुर स्थित मैडम तुसाद संग्रहालय में अभिनेता महेश बाबू की एंट्री हो गई है। उनकी मोम की प्रतिमा का सोमवार को हैदराबाद के 'एएमबी सिनेमाज' में अनावरण किया गया जिसे बाद में सिंगापुर स्थित संग्रहालय में भेजा जाएगा।

हंसल मेहता की आगामी फिल्म 'कैप्टन इंडिया' में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन निर्देशक हंसल मेहता की आगामी फिल्म ''कैप्टन इंडिया'' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने शुक्रवार को यह घोषणा की। रोनी स्क्रूवाला और अभिनेता से निर्माता बने हर्मन बावेजा के प्रोडक्शन वाली यह एक्शन-ड्रामा फिल्म एक युद्धग्रस्त देश से भारत के सबसे बड़े और सफल बचाव अभियानों से प्रेरित है। आर्यन फिल्म में एक पायलट का किरदार निभाएंगे और अभिनेता ने कहा कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। आर्यन ने एक बयान में कहा, ''मैं हंसल सर के काम के तरीके का काफी सम्मान करता हूं और उनके साथ काम करने का यह सबसे बेहतर अवसर है।'' स्क्रूवाला ने कहा, ''कैप्टन इंडिया केवल सबसे बड़े मानवीय अभियानों में से एक की कहानी नहीं है बल्कि यह अदम्य मानव साहस की कहानी है। हंसल मेहता हमारे दौर के बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और उन्होंने मानवीय कहानियों की सच्ची भावना को हमेशा खूबसूरती से कैद किया है। कार्तिक आर्यन के प्रशंसकों को सच में काफी खुशी मिलेगी क्योंकि वह 'कैप्टन इंडिया' के साथ कुछ नया करने जा रहे हैं।

आदिपुरुष के रिलीज नये गीत 'राम सिया राम' में दिखी जानकी-राघव की इमोशनल लव स्टोरी

मुम्बई। राम और सीता की महाकाव्य कहानी को ओम राउत की आदिपुरुष में प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें प्रभास को राघव और कृति सेनन को जानकी के रूप में दिखाया जाएगा। लंकेश का किरदार सैफ अली खान निभाएंगे। अब फिल्म की आत्मा कहा जाने वाला फिल्म का मोस्ट अवेटिड गीत-राम सिया राम रिलीज कर दिया गया है।फिल्म का एक नया गाना, राम सिया राम, 29 मई को रिलीज़ किया गया था और कोई भी आसानी से कह सकता है कि यह गाना पहले से ही हिट है।

आदिपुरुष का दूसरा गीत लॉन्च किया गया, जिसका शीर्षक राम सिया राम था। गाने को सचेत टंडन ने अपनी आवाज दी है। वीडियो में राघव के रूप में प्रभास और जानकी के रूप में कृति के साथ फिल्म के खूबसूरत दृश्य हैं। 20 मई को फिल्म का पहला गाना, जय श्री राम लॉन्च पर रिलीज़ किया गया था, जहाँ अजय-अतुल ने मुंबई में एक लाइव ऑर्केस्ट्रा और 30 कोरस गायकों के साथ गाने की प्रस्तुति दी थी।

गाने ने कई लोगों के दिलों को छू लिया है, जैसा कि सोशल मीडिया पर उनकी प्रतिक्रियाओं से देखा जा सकता है। इस गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैन्स ने ट्विटर पर यह जाहिर किया कि उन्हें यह गाना कितना पसंद है। नए गाने से मंत्रमुग्ध एक ट्विटर यूजर ने लिखा, फिल्म के इस गाने को सुनकर मैं हैरान और भावुक हो गया।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।